छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 208 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 11 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

'प्रिय देवनारायण, हमें खुशी है आप स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं'

30 जून को मौत के बाद आयुष्मान के रिकार्ड में आरक्षक 42 दिन रहा जीवित, 6 अगस्त को हुआ डिस्चार्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही का हैरान कर देने वाला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर से महज 6-7 किलोमीटर दूर रहने वाले एक आरक्षक की मौत के 42 दिन बाद उसके नाम से स्वस्थ होकर घर जाने का संदेश भेजा गया, यहीं नहीं जिसकी मृत्यु इलाज के 5वें दिन हो गई थी उन्हें 42 दिन भर्ती बताया गया है।

जशपुर जिले में पदस्थ स्टाफ नर्स सीमा कुजूर ने एक वीडियो जारी करके बताया है कि उनके पति देवनारायण राम छत्तीसगढ़ पुलिस में आरक्षक थे, इनको इलाज के लिए 26 जून 2026 को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान 30 जून 2026 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका अंतिम संस्कार करने के बाद पति के मृत्यु से संबंधित अधिकारिक मृत्यु प्रमाण पत्र भी उन्होंने प्राप्त कर लिया है। इसके बाद 6 अगस्त 2026 को दोपहर 2.38 बजे आयुष्मान सारथी के नंबर से एक संदेश आया। संदेश में लिखा था प्रिय देवनारायण राम, हमें खुशी है कि आप स्वस्थ होकर घर लौट रहे हैं। साथ में फीडबैक फॉर्म भरने का अनुरोध भी किया गया है। संदेश में भर्ती तिथि 26.06.2026 और डिस्चार्ज तिथि 06.08.2026 बताई गई है। यानी सिस्टम के अनुसार वे 42 दिन अस्पताल में रहे, इसके बाद जीवित अवस्था में उनकी छुट्टी कर दी गई।

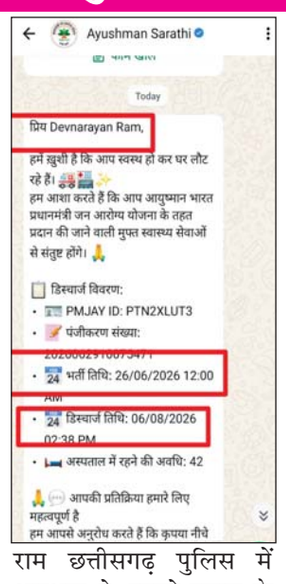

सीएम के गृह जिले में स्टाफ नर्स के पद पर पदस्थ मृत आरक्षक की पत्नी ने उठाए सवाल

स्वास्थ्य महकमा सवालों के घेरे में

सीमा कुजूर खुद जिला अस्पताल जशपुर में स्टाफ नर्स हैं। उन्होंने सवाल उठाया है कि, जब उनके साथ ऐसा हो रहा है तो गरीब और आम जनता के साथ क्या होता होगा। इस संदेश ने स्वास्थ्य महकमे की व्यवस्था को बड़े सवालों के घेरे में ले लिया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य विभाग से इस मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही जांच में जो भी कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी के साथ ऐसी अनहोनी न हो।

संदेश परिवार के लिए बेहद पीड़ादायक

आयुष्मान सारथी के द्वारा भेजे गए संदेश का यह कोई पहला मामला नहीं है। कई भर्ती मरीजों के संबंधियों के मामले में ऐसे संदेश आ चुके हैं, जिसमें अगर कोई 4 से 5 दिन या 10 दिन भर्ती होकर इलाज कराने के बाद घर वापस पहुंच गया हो, तो उसके डिस्चार्ज होने की अवधि बढ़ाकर बताई जाती है। अब तो ऑटो संदेश में इलाज के दौरान मौत के बाद स्वस्थ होकर घर पहुंचने का संदेश देना, और इलाज की अवधि 42 दिन बताना समझ से परे है, जबकि 26 जून को भर्ती पुलिस आरक्षक की 30 जून को मौत हो गई है। सीमा कुजूर ने कहा है कि, इस तरह का संदेश परिवार के लिए बेहद पीड़ादायक है। गरीब और आम लोगों का स्वास्थ्य व्यवस्था पर भरोसा बना रहे, इसके लिए जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई जरूरी है। देखना यह है कि इस मामले को लेकर स्वास्थ्य अमला क्या कदम उठाता है।

'यह ऑटो जेनेरेटेड मैसेज है, हमारे यहां से नहीं गया है। 30 जून को ही मरीज का आयुष्मान कार्ड ब्लॉक कर दिया गया था। मरीज आईसीयू में भर्ती था, 5 दिन का ही बिलिंग उसके कार्ड से हुआ है। इस तरह का मैसेज मिलना किसी के लिए ठीक नहीं है। मैं रायपुर संबंधित विभाग को पत्र लिखूंगा।'

डॉ. आरसी आर्या, अधीक्षक मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल, अंबिकापुर

एंबुलेंस नहीं पहुंच पाई, लेना पड़ा झेलगी का सहारा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। शासन-प्रशासन की ओर से गांव-गांव तक सड़क, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का दावा किया जाता है, लेकिन जिले के कुसमी विकासखंड से सामने आई एक तस्वीर इन तमाम दावों पर सवाल खड़े करने के लिए काफी है। ग्राम पंचायत अमरपुर के भैसापाठ-घुइझरिया बस्ती में एक बुजुर्ग महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद ग्रामीणों को उन्हें झेलगी में टांगकर करीब दो किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा, तब जाकर वे बीमार के साथ मुख्य मार्ग तक पहुंचे।

बताया जा रहा है कि करीब 50 वर्षीय रदनी की सोमवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की तैयारी की, लेकिन बस्ती तक पहुंचने के लिए पक्की और सुगम सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस सहित कोई भी वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका। मजबूर होकर ग्रामीणों ने झेलगी का सहारा लिया और दो लोगों ने बुजुर्ग महिला को कंधे पर टांगकर लगभग दो किलोमीटर का सफर तय किया।

सवाल यह है कि आखिर यह कैसी विकास व्यवस्था है, जहां बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की सुविधा मिलने के बाद भी कंधे का सहारा देकर सड़क मार्ग तक पहुंचाना पड़े? ग्रामीणों के मुताबिक, इस मार्ग पर लंबे समय से पुल और बेहतर सड़क की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने कई बार अपनी समस्या जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों के सामने रखी, लेकिन उनकी समस्या अब तक जस की तस बनी हुई है। नतीजा यह है कि बरसात के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है और आपात स्थिति में ग्रामीणों की जिंदगी सीधे खतरे में पड़ जाती है।

भैसापाठ की तस्वीर खोल रही विकास की पोल

करोड़ों की योजनाएं, लेकिन गांव तक सड़क नहीं

एक तरफ शासन की ओर से प्रधानमंत्री जनमन योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में करोड़ों रुपये खर्च किए जाने की बात कही जाती है। दूसरी तरफ अमरपुर के भैसापाठ-घुइझरिया की यह तस्वीर सवाल करती है कि आखिर इन योजनाओं का वास्तविक लाभ जमीन पर रहने वाले ग्रामीणों तक कब पहुंचेगा? कागजों में सड़कें बन रही हैं, योजनाओं में करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं और सरकारी तंत्र विकास के आंकड़े गिनाने में पीछे नहीं है। जब किसी बीमार को अस्पताल पहुंचाने के लिए कंधों का सहारा लेना पड़े, तो विकास के दावों की हकीकत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह सिर्फ एक बुजुर्ग महिला की मजबूरी की तस्वीर नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान है। आखिर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कब इन दुर्गम बस्तियों की सुध लेंगे? किसी बड़ी दुर्घटना या किसी ग्रामीण की जान जाने के बाद ही क्या प्रशासन की नींद खुलेगी?

15 अगस्त को जिले में शुष्क दिवस घोषित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ द्वारा जारी पत्र के परिपालन में कलेक्टर सरगुजा द्वारा जिले में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त, शनिवार को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस दौरान जिले की समस्त देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान, विदेशी कम्पोजिट मदिरा दुकान, प्रिमीयम विदेशी मदिरा दुकान, संलग्न अहाता, एफ.एल.8, एफ.एफ.-4(क) (व्यवसायिक क्लब) एवं मद्य भाण्डागार पूर्णत: बंद रहेगा। इस दिन मदिरा का विक्रय, परिवहन एवं परोसना पूर्णत: बंद रहेगा। उन्होंने इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मां महामाया शक्कर कारखाना में स्क्रेप नीलामी में करोड़ों का गड़बड़झाला

ऑनलाइन नीलामी के बाद गुप्त क्रेप उठाव, शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला में स्थित मां महामाया शक्कर कारखाना केरता में स्क्रेप नीलामी में भारी गड़बड़ी कर शासन को करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में 'अमन एसोसिएट्स, महंगवा' के संचालक ने कलेक्टर को लिखित शिकायत देकर विशेष जांच दल गठित कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता ने बताया है कि, कारखाने में विगत दिनों 20 टन स्क्रेप की ऑनलाइन नीलामी की गई थी। नीलामी के बाद उसी पार्टी द्वारा 6 अगस्त को एक वाहन में 24 टन स्क्रेप का उठाव कर लिया। आरोप है कि पुन: उसी पार्टी को कारखाने का शेष स्क्रेप सामग्री गुप्त तरीके से देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए 9 अगस्त को वाहन भी लगाया गया था। शिकायत में कहा गया है कि बिना दूसरी टेंडर प्रक्रिया के स्क्रेप उठाने से शासन को करोड़ों रुपये की क्षति पहुंचाई जा रही है।

विशेष जांच टीम गठित करने की मांग

शिकायतकर्ता ने मांग की है कि, कारखाने में लगे सीटीवी फुटेज और वाहन एंट्री के समय के रजिस्टर की जांच कराई जाए। साथ ही बिना टेंडर के स्क्रेप उठाने की अनुमति किसने दी, इसकी भी जांच हो। कलेक्टर से मांग की गई है कि विशेष जांच दल गठित कर प्रबंधक एवं अन्य दोषी अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही शेष स्क्रेप की नीलामी के लिए पुन: निष्पक्ष रूप से निविदा आमंत्रित की जाए। मामले में अभी तक कारखाना प्रबंधन की ओर से कोई अधिकारिक बयान फिलहाल नहीं आया है।

पंचायतों में 93 लाख की गड़बड़ी, नोटिस के बाद कार्रवाई ठंडे बस्ते में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनपद पंचायत मैनपाट अंतर्गत ग्राम पंचायत नर्मदापुर में पिछले 9 वर्षों में हुए निर्माण कार्यों में करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद नोटिस तो जारी हुआ, लेकिन कार्रवाई पर ग्रामीणों की निगाहें टिकी हैं। जनपद पंचायत की जांच में वर्ष 2016-17 से 2024-25 तक करीब 93 लाख 92 हजार 352 रुपये के कार्यों के अभिलेख नहीं मिले हैं। इस मामले में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बीते 15 जुलाई को 5 अलग-अलग नोटिस जारी कर तत्कालीन और वर्तमान सरपंच-सचिवों से जवाब मांगा है। जांच के दौरान पाया गया कि, पंचायत के मूलभूत, 15वें वित्त, स्वच्छ भारत मिशन और अन्य निर्माण कार्यों के रोकड़ बही, कैशबुक, व्यय प्रमाणक और नस्ती फाइल उपलब्ध नहीं हैं। अभिलेख नहीं मिलने के कारण पूरी राशि को वसूली योग्य माना गया है। बताया गया है कि, वित्तीय वर्ष 2016-17 में तत्कालीन सचिव अनिल यादव और सरपंच गणेश नाग ने 5 लाख 11 हजार रुपये की वित्तीय अनियमितता की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में हुई 8 लाख 13 हजार 665 रुपये की गड़बड़ी के लिए तत्कालिन सचिव चन्द्रपाल सिंह से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 के तत्कालीन सरपंच राजनाथ भैसा के कार्यकाल में 66 लाख 67 हजार 948 रुपये की सबसे बड़ी अनियमितता पाई गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में वर्तमान सरपंच ललिता भैसा से 7 लाख 88 हजार 739 रुपये के कार्यों का हिसाब मांगा गया है। जनपद पंचायत ने सभी से तत्संबंध में जवाब मांगा है। जवाब या अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर यह माना जाएगा कि उनके द्वारा वित्तीय अनियमितता की गई है। इसके बाद पूरी राशि की वसूली आरसीसी के माध्यम से करने की कार्रवाई की जाएगी और प्रकरण एसडीएम सीतापुर को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। हालांकि 15-16 जुलाई को कार्यालय जनपद पंचायत मैनपाट से इस संबंध में जारी किए पत्र में जांच में पाई गई अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है, और जवाब, अभिलेख प्रस्तुत करने की तिथि भी समाप्त हो चुकी है। ग्रामीणों को इंतजार जांच में सामने आई वित्तीय अनियमितताओं को लेकर अग्रिम कार्रवाई का है, ताकि कुल 93 लाख 92 हजार 352 रुपये की गड़बड़ी कहां और कैसे हुई या इस रुपये का कहां उपयोग किया गया, यह तथ्य सामने आ सके।

पीजी कॉलेज में दीक्षारंभ, नव प्रवेशी छात्रों को मिला मार्गदर्शन

इंडक्शन कार्यक्रम में प्राचार्य ने कहा-डिग्री के साथ संस्कार और कौशल भी सीखें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के वार्षिक कैलेंडर 2026 के अनुसार महाविद्यालय में नव प्रवेशी छात्रों का इंडक्शन (दीक्षारंभ) कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं, अनुशासन और भविष्य की दिशा से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक संस्थान है और आप सभी इस संस्थान की 66वीं पीढ़ी हैं। महाविद्यालय की गरिमा बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं के साथ महाविद्यालय में बेहतर तकनीकी और बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। कार्यक्रम में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए और एलएलबी के प्रथम सेमेस्टर के छात्र शामिल हुए। छात्रों का चंदन टीका लगाकर अभिनंदन और मिष्ठान्न वितरित किया गया। इस मौके पर डॉ. एमके मौर्य परीक्षा नियंत्रक, डॉ. मिलेन्द सिंह क्रीड़ा अधिकारी, पंकज अहिरवार एनसीसी अधिकारी, राजीव कुमार एनएसएस अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र सीए एचसी जायसवाल ने सुनाए संस्मरण

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्रतिभावान छात्र एवं सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट हरिशंकर जायसवाल ने छात्रों को जीवन के प्रेरणादाई संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन की नई यात्रा शुरू हो रही है। स्कूल से कॉलेज का यह बदलाव केवल कक्षा बदलना नहीं, बल्कि सोच, व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि के विस्तार का अवसर है। उन्होंने कहा कि यहां आपको केवल डिग्री नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, संस्कार और नेतृत्व क्षमता भी मिलेगी। जीवन में सफलता बुद्धिमत्ता के साथ अनुशासन, समयपालन, ईमानदारी और परिश्रम से मिलती है।

महाविद्यालय आपके सपनों को उड़ान देने का मंच

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल सिन्हा ने कहा कि यह संस्थान अनुसंधान, नवाचार और विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों के लिए जाना जाता है। छात्रों से अपेक्षा है कि वे नियमित अध्ययन करें, उपस्थिति बनाए रखें, पुस्तकालय का उपयोग करें और खेल, सांस्कृतिक, एनएसएस, एनसीसी में सक्रिय भागीदारी करें। महाविद्यालय आपके सपनों को उड़ान देने का मंच है। इंडक्शन प्रोग्राम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजकमल मिश्रा ने एनईपी-2020 के अनुरूप संचालित पाठ्यक्रमों और बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के अवसरों पर प्रकाश डाला।

सेमरसोत अभ्यारण्य में कोटरी का शिकार, फरार आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। सेमरसोत अभ्यारण्य में संरक्षित वन्यप्राणी बार्किंग डियर (कोटरी) के शिकार के प्रकरण में वन विभाग को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उप निदेशक एलिफेंट रिज़र्व सरगुजा श्रीनिवास तेनेटी के निर्देश में अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य बीएस भगत के मार्गदर्शन व जगत राम मरावी गेंम रेंजर बलरामपुर के नेतृत्व में प्रकरण में फरार चल रहे आरोपी चरितर पिता चुलु, निवासी ग्राम खटवाबरदर को वन विभाग की टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को सेमरसोत अभ्यारण्य क्षेत्र में वन्यप्राणी के शिकार की सूचना प्राप्त होने पर वन विभाग की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए चंदन पिता राजमल निवासी ग्राम परती तथा सुराजलाल पिता सत्ता, निवासी ग्राम खटवाबरदर को गिरफ्तार किया गया था। मौके से कोटरी का एक मृत शरीर बरामद किया गया था। प्रकरण में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धाराओं के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। विवेचना के दौरान आरोपी चरितर पिता चुलु साकिन खटवाबरदर की प्रकरण में संलिप्तता सामने आने पर उसकी तलाश की जा रही थी। वन विभाग की टीम द्वारा लगातार पतासाजी एवं निगरानी के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को विधि अनुसार सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। घटना में संलिप्त अन्य व्यक्तियों तथा शिकार में प्रयुक्त साधनों के संबंध में भी जांच की जा रही है। प्रकरण में संलिप्त पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध विधि अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

के आर टेक्निकल कॉलेज
SINCE 2008
(Regular | Private | Distance)
ADMISSION OPEN 2026-27
मान्यताएँ
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा से सम्बद्ध
छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
इग्नू का स्टडी सेंटर
COURSES OFFERED
UG COURSES: BCA, BBA, BCOM, BSC BIO, BSC MATHS, BSC CS, BA
PG COURSES: MSC CS, MSC IT, MSC BOTANY, MSC ZOOLOGY, MSC CHEMISTRY, MSC MATHS, MSC PHYSICS, MCOM, MSW, MA HINDI
PROFESSIONAL COURSES: DCA, PGDCA, PGDBM, PGDRD, BLIB
SCHOLARSHIP FACILITIES
विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए)
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
सीमित कोर्स में फ्री कोचिंग सुविधा उपलब्ध
COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के पास, काली घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़
9926513170, 9826612781
CITY OFFICE: कृष्ण आभा भवन, रिंग रोड, नमना कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़
9826183771

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

कैलाशपुर विद्यालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलाशपुर में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। योजनातंर्गत निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन एवं वंदे मातरम् के 150 वीं वर्षगांठ पर प्रदर्शनी लगाया गया। जिसमें विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरूस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में घरेलु हिंसा, महिला उत्पीड़न मासिक धर्म स्वच्छता एवं बाल विवाह से होने वाले नुकसान और बाल विवाह न करने की सलाह दी गई। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, घरेलु हिंसा, महिला उत्पीड़न एवं महिलाओं के सुरक्षार्थ संचालित योजनाओं एवं कानूनो के बारे में जानकारी देते हुए ब्रोसर वितरण किया गया।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग महिला सशक्तिकरण हब से वित्तीय साक्षरता फरजाना, जेण्डर विशेषज्ञ पुनम राजवाडे, विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अमृता सिंह, युगल निकुंज एवं सुषमा खेश सहित अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन से गूंजा संयुक्त जिला कार्यालय

आमजनों की सुविधा सर्वोपरि, सड़के रहें दुरूस्त, आवागमन सुगम बनाने के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय का सभाकक्ष आज राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के स्वरों से गूंज उठा। जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा की बैठक की शुरुआत अधिकारियों द्वारा राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुई। सभी ने एक स्वर में राष्ट्रगीत का गायन कर राष्ट्र प्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने हर घर तिरंगा एवं राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 अगस्त 2026 तक आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गायन के लिए प्रेरित करें। ताकि आमजन में देश भक्ति और राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत हो। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने और कार्यक्रमों में सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

13 अगस्त को होगा स्वतंत्रता दिवस समारोह का फाइनल रिहर्सल

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 12 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय बलरामपुर में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह का फाइनल रिहर्सल 13 अगस्त 2026 को प्रातः 8.30 बजे से पुलिस ग्राउंड, बलरामपुर में होगा।

उन्होंने समारोह से संबंधित सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा संबंधित कार्यालय प्रमुखों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को फाइनल रिहर्सल में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

बारिश में सड़कें रहें चलने योग्य, गड्ढों का तत्काल हो भराव

सड़क निर्माण एवं संधारण एजेंसियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बारिश के दौरान सड़कों पर गड्ढों के कारण आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को गड्ढों का तत्काल भराव कराने और क्षतिग्रस्त हिस्सों की आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा और सुरक्षित आवागमन शासन-प्रशासन की प्राथमिकता है। बारिश के कारण जहां भी सड़कें खराब हुई हैं, वहां तत्काल सुधार कार्य कराकर सड़कों को चलने योग्य बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर जाकर स्थिति की निगरानी करने तथा प्रमुख एवं ग्रामीण सड़कों पर आवागमन बाधित न हो इसके लिए तात्कालिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की जानकारी लेते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फॉलोअप करते हुए त्वरित कार्रवाई करने को कहा, ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न हो।

पारस पोर्टल की प्रगति की समीक्षा, रैंकिंग बेहतर करने के निर्देश

बैठक में पारस पोर्टल की प्रगति की विशेष रूप से समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि पारस पोर्टल के माध्यम से शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं सतत निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पोर्टल पर निर्धारित कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीबी-जी रामजी के तहत सभी ग्राम पंचायतों में कार्य सुनिश्चित करने, एग्रीस्टैक पंजीयन में तेजी लाने तथा डीएससी सहित अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने और जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए गंभीरता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान में 31 योजनाओं से पात्र परिवारों का होगा सैचुरेशन

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ चतुर्वेदी ने कहा कि अभियान के तहत 31 योजनाओं से पात्र परिवारों को सैचुरेट किया जाना है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी पात्र परिवार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण एवं एएनसी पंजीयन, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र तथा मतदाता पहचान पत्र के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए।

आयुष्मान कार्ड में 23वें से दूसरे स्थान पर पहुंचा जिला, और बेहतर प्रदर्शन पर जोर

आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि नियमित मॉनिटरिंग, फॉलोअप एवं विभागीय समन्वय से 3 दिवसीय महाअभियान के माध्यम से जिले ने 22वें स्थान से दूसरे स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। उन्होंने कहा कि निरंतर निगरानी और सामूहिक प्रयासों से आयुष्मान कार्ड एवं वंदन कार्ड के कार्यों में और तेजी लाते हुए जिले को अग्रणी स्थान पर पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयीन प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर. एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री प्रमोद गुप्ता सहित अनुविभागीय अधिकारी, विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय में छात्राओं को मिला कौशल विकास प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में छात्राओं को रोजगार के लिए तैयार करने और उनके कौशल विकास को बढ़ावा देने के

उद्देश्य से छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक विश्वकर्मा ने किया। छह दिवसीय कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत रोजगार प्राप्त करने के लिए आवश्यक विभिन्न कौशलों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में व्यक्तिगत विकास, समय प्रबंधन, लेखन कौशल, ग्रुप डिस्कशन, मनी मैनेजमेंट, ग्रूमिंग स्किल्स सहित अन्य विषयों पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राओं को वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आवश्यक व्यक्तित्व विकास एवं व्यवहारिक कौशल से अवगत कराया गया। छात्राओं को साक्षात्कार, समूह चर्चा तथा कार्यस्थल पर बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी दक्षताओं के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। प्राचार्य डीपी कोरी ने कहा कि वर्तमान समय पूरी तरह प्रतिस्पर्धा का है। ऐसे दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व एवं व्यावहारिक कौशल का भी निरंतर विकास करना चाहिए।

कार्यक्रम में कैरियर गाइडेंस के संयोजक ज्ञानेश मुद्गल सहायक प्राध्यापक तथा समिति के मनीषा, अंजलि तिर्की, शशि शेखर कुमार, शैलेश सिंह एवं हर्षवर्धन खाखा सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शशि शेखर कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल करंजी ने जीते अपने मैच

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के एकता स्टेडियम में न्यू टैलेंट हंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट के आखिरी लीग मैच आज शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल करंजी और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लटोरी के बीच खेला गया, जिसमें करंजी की टीम 2-1 से विजयी रहा। इस मैच में अतिथि के रूप में व्यवसायी धनवीर खेड़ा विश्रामपुर व कांग्रेसी नेता रामलाल सोनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के आयोजक व जिला सूरजपुर ड्यूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव राजेश जैन ने बताया कि भाग लेने वाले 14 टीम का लीग राउंड पूरा हो चुका है। मंगलवार से क्वार्टर फाइनल स्टेज की शुरुआत होगी। 8 टीमें अगले राउंड के लिए क्वालीफाई हो चुके हैं। आज के मैन ऑफ द मैच लटोरी के खिलाड़ी राहुल रहे।

वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। बीएससी नर्सिंग तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए संस्थान, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। बीएससी नर्सिंग चतुर्थ सेमेस्टर में भी विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की। इस परीक्षा में मनीषा ने 78 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अमृता एवं तृप्ति ने 77.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि सीता ने 76.44 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा विद्या 75.55 प्रतिशत, ज्योति 74.66 प्रतिशत, कविता 74 प्रतिशत, आशा 72.88 प्रतिशत, नेहा साहू एवं श्रेया 72.44 प्रतिशत, लीलावती 71.33 प्रतिशत तथा प्रीति साहू 70 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय की उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा है।

वहीं बीएससी नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में कामाक्षी ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सलीमा ने 71 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुराग ने 69.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त गायत्री 69 प्रतिशत, उर्मिला सरूता 67.66 प्रतिशत, चुनिका एवं उर्मिला सिंह 67.33 प्रतिशत, चंचल एवं मंदावी 66.33 प्रतिशत, सालिंता 65.66 प्रतिशत, अनुज एवं सुमन 65 प्रतिशत तथा अंजू 64 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बिश्रामपुर के डायरेक्टर विजय राज अग्रवाल ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सेवा भावना, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों के साथ एक कुशल नर्सिंग प्रोफेशनल के रूप में तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुलिसकर्मियों के लिए तनाव प्रबंधन व नशा मुक्ति कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। 10 वीं वाहिनी में संचालित रिफ्रेशर कोर्स के सप्तम सत्र के दौरान सोमवार को तनाव प्रबंधन एवं नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। 10 वीं वाहिनी सेनानी प्रशांत कतलम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए जागरूक करना रहा।कार्यक्रम नशा मुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन विकसित भारत की ओर एक सशक्त कदम अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 10 करोड़ नशा मुक्ति शपथ मेगा अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यशाला में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अंबिकापुर से आई ब्रह्माकुमारी संजू दीदी, उमा सिंह दीदी, सुरेंद्र कुमार दुबे एवं जीतन राम ने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन और नशा मुक्ति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला में बताया गया कि पुलिस सेवा में ड्यूटी की प्रकृति के कारण तनाव होना स्वाभाविक है। लगातार कार्य का दबाव, विषम परिस्थितियों में ड्यूटी तथा जिम्मेदारियों के निर्वहन के बीच तनाव को नियंत्रित करना आवश्यक है। इसके लिए राजयोग मेडिटेशन, सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या और संतुलित जीवनशैली को प्रभावी माध्यम बताया गया। मानसिक शांति और सकारात्मक दृष्टिकोण से न केवल तनाव कम किया जा सकता है, बल्कि कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है।

पुलिसकर्मियों को अपने दैनिक जीवन में ध्यान एवं सकारात्मक चिंतन को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति सत्र के दौरान बताया गया कि नशा तनाव या परेशानियों का समाधान नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के शरीर, मन और परिवार को धीरे-धीरे विनाश की ओर ले जाता है। नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। ऐसे में नशे से पूरी तरह दूर रहकर स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को नशामुक्त रहने की शपथ भी दिलाई गई। साथ ही नशा मुक्ति अभियान में उत्कृष्ट सहभागिता के लिए ब्रह्माकुमारी प्रजापिता संस्था की ओर से 10 वीं वाहिनी को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सहायक सेनानी एवं एड्जुटेंट बीपी सिंह, सहायक सेनानी प्रशिक्षण सुधीर कुजूर, कंपनी कमांडर एवं सीडीआई पंकज तिवारी, प्लाटून कमांडर एवं सूबेदार मेजर शिवाजी यादव, सहायक प्लाटून कमांडर ईश्वरीय साहू, सहायक उप निरीक्षक एमटी राजेंद्र यादव, रामस्वरूप कुशवाहा, राजेश यादव, प्रधान आरक्षक सहदेव सिंह तोमर, अशोक साहू, आरक्षक योगेश कुमार साहू सहित अन्य उपस्थित रहे।

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जिलेभर में चला कृमि मुक्ति अभियान, स्कूली बच्चों को खिलाई गई एल्बेंडाजोल की दवा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर आज जिले के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के समन्वय से बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा का सेवन कराया गया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर एवं स्वामी आत्मानंद शासकीय माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बलरामपुर उपाध्यक्ष दिलीप सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण की उपस्थिति में कुल 374 छात्र-छात्राओं को एल्बेंडाजोल की

कृमिनाशक गोली खिलाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, इसके दुष्प्रभावों तथा कृमिनाशक दवा के महत्व के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया।

बच्चों के स्वास्थ्य एवं विकास के लिए जरूरी है कृमि संक्रमण से बचाव

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के माध्यम से बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा पात्र बच्चों को निर्धारित अनुसार कृमिनाशक दवा का सेवन कराने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण से बचाव के लिए हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करना, नाखूनों को साफ एवं छोटे रखना तथा व्यक्तिगत एवं आसपास की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को दैनिक जीवन में अपनाकर कृमि संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सकता है।

साथ ही आज जिलेभर में स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से विद्यालयों में बच्चों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई गई। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जिला एवं विकासखंड स्तरीय टीम, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कभी भी खोला जा सकता है मिनीमाता बांगो जलाशय का गेट, अलर्ट जारी

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। मिनीमाता बांगो जलाशय में बारिश के साथ ही जलभराव में वृद्धि हुई है। बांगो जलाशय के कार्यपालन अभियंता एस.के.भारती से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज की स्थिति में बांगो जलाशय में जलभराव 89.55 प्रतिशत है। जलाशय में पानी की आवक बढ़ने पर कभी भी मिनीमाता जलाशय का गेट खोलकर पानी बहाया जा सकता है।

उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल सम्पत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जायें। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयां, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है कि वे अपनी परिसम्पत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लेवें। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने कहा है कि अकस्मात बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध ने बाढ़ क्षेत्र में आने वाले गांवों में बाढ़ चेतावनी की मुनादी करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि बाढ़ क्षेत्र में आने वाले संभावित गांवो में बांगो, चर्रा, पोड़ी उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कलमीपारा, सिलीयारीपारा, जूनापारा, तिलाईडाड, डुगुपारा, टुंगुमांड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेलगांव, झाबू, नवागांव, तिलसाभाटा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा, सिरकीकला आदि शामिल हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली भव्य रैली, उमड़ा जनसैलाब

शहर में बिखरी आदिवासी परंपरा की छटा, रंगमंच प्रांगण में हुए विविध आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला मुख्यालय में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत आदिवासी परंपरा के अनुरूप प्रकृति पूजा-अर्चना से हुई, जिसे स्थानीय बैगा, भूमका एवं समाज प्रमुखों द्वारा विधिवत संपन्न कराया गया। यह आयोजन आदिवासी समाज की सांस्कृतिक अस्मिता एवं प्रकृति आधारित जीवन दर्शन का प्रतीक रहा। इस मौके पर परंपरागत वाद्ययंत्रों एवं दर्जनों डीजे के साथ जिले के विभिन्न विकासखंडों से विशाल रैलियां एवं झांकियां निकाली गईं जो यहां जिला मुख्यालय पहुंची।

जिनमें पारंपरिक वेशभूषा, लोक संस्कृति एवं सामाजिक संदेशों की झलक दिखाई दी। मानी-केतका, बिश्रामपुर, ओडगी-भैयाथान एवं रामानुजनगर रूट की रैलियां निर्धारित प्रमुख चौकों से होते हुए रंगमंच मैदान में एकत्रित हुईं। जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के चारो मुख्यमार्गों से पहुंची रैलियो से शहर पूरी तरह गुलजार रहा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया, जिसने समानता, न्याय, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के मूल्यों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्या। स्वागत उद्बोधन गोंडवाना गोंड महासभा के जिला अध्यक्ष विजय सिंह मरपच्ची ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सोशल एक्टिविस्ट एवं सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के जिला अध्यक्ष बीपीएस पोया ने विश्व आदिवासी दिवस के ऐतिहासिक एवं वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 9 अगस्त 1982 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के कार्यसमूह की पहली बैठक हुई थी तथा 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसकी घोषणा के पश्चात वर्ष 1995 से यह दिवस प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2026 की थीम ह्लआदिवासी पारंपरिक दाइयों का सम्मानः जीवन और स्वास्थ्य की सुरक्षाह्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय संविधान में प्रदत्त आदिवासी समुदाय के अधिकारों पर विशेष बल देते हुए अनुच्छेद 46, 244(1), 275(1), 338अ, पांचवीं अनुसूची, पेसा अधिनियम 1996 एवं वन अधिकार अधिनियम 2006 जैसे प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के आदिवासी अधिकार घोषणा पत्र का उल्लेख करते हुए जल, जंगल, जमीन पर पारंपरिक अधिकारों की सुरक्षा एवं स्वशासन की अवधारणा को सुदृढ़ करने की बात कही। उन्होंने आदिवासी समाज के समक्ष वर्तमान चुनौतियों, भूमि संरक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार सृजन, फर्जी जाति प्रमाण पत्र की रोकथाम, बैकलॉग भर्ती, स्थानीय युवाओं की भागीदारी, पेसा एवं वन अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, परिसीमन में उचित प्रतिनिधित्व एवं पृथक आदिवासी धर्म कोड—जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। साथ ही सरगुजा संभाग में विधि महाविद्यालय की सीटें बढ़ाने एवं युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन की मांग भी रखी। कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं, युवाओं, किसानों, महिलाओं, कलाकारों एवं जनप्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र, गमछा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आदिनिवास छत्तीसगढ़ टीम द्वारा लकी ड्रा के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित किया गया, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला पहल रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य एवं संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। सरगुजा क्षेत्र के प्रसिद्ध कलाकार नीलम पैकरा, दीपक मरकाम एवं शुभम सिंह ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में विशेष उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक रामकुमार बंछोर, डॉ आरएस सिंह, रामवृक्ष पैकरा, जूनास एक्का, मंत्रीलाल बियार, अशोक पैकरा, सत्य प्रकाश पैकरा, बिरसा मुंडा, डॉ. कुसुम सिंह परस्ते, भानुप्रताप कोराम, शशि सिंह कोर्राम, देवनारायण चेरवा, पारस नाथ राजवाड़े, कुसुम लता राजवाड़े, चंद्रमनी पैकरा, आनंद कुंवर, अमरकली पैकरा, मेहरनोश बड़ा, भुनेश्वर आरमोर, स्वाति संत सिंह, कृष्णनारायण चेरवा, मंच संचालन युवध सिंह ,सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, छात्र-छात्राएं एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राजस्थान का युवक 20 लाख की एमडीएमए के साथ गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने ड्रग्स के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान के एक अंतरराज्यीय तस्कर को 20 लाख रुपये कीमत की एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है।

ओवरब्रिज के नीचे बेचने आया था

पुलिस को 9 अगस्त को सूचना मिली थी कि गंज थाना क्षेत्र के तेलघानी नाका ओवरब्रिज के नीचे बिजली ऑफिस के पास एक व्यक्ति एमडीएमए बेचने के लिए खड़ा है। सूचना पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। पकड़े गए आरोपी की पहचान रामनिवास माचरा (22) निवासी ग्राम केरला नाडा बिकमकोर, थाना मतोड़ा, जिला फलोदी, राजस्थान के रूप में हुई है।

बैग से बरामद हुआ 106 ग्राम एमडीएमए

तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से 106.19 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। उसके पास से एक आईफोन भी जब्त किया गया है। गंज थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 243/2026, धारा 22(ग) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रायपुर में सप्लाई करने आया था

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों के कहने पर एमडीएमए की खेप लेकर रायपुर में सप्लाई करने आया था। पुलिस अब उससे खरीदी के स्रोत, सप्लायर, रायपुर में खेप लेने वालों और पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है।

73 एनडीपीएस मामलों में 163 गिरफ्तार

रायपुर कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार, इस साल एंटी क्राइम यूनिट और नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 73 प्रकरणों में 163 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में करीब 5.47 करोड़ रुपये की मादक पदार्थ जब्त की गई है। जब्ती में 588.97 किलो गांजा, 173 ग्राम एमडीएमए, 20.740 ग्राम हेरोइन, 4.55 ग्राम कोकीन, 27,875 नशीली टैबलेट और 13.55 लाख रुपये नकद शामिल हैं। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) तारकेश्वर पटेल के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस ने कहा कि मामले में आगे भी लिंक तोड़ने की कार्रवाई जारी है।

राजधानी में महिलाएं सुरक्षित नहीं, गैंगरेप की घटना पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी में एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने घटना को 'बेहद शर्मनाक' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़िता के साथ पहले सरोना शराब भट्ठी के पास और इसके बाद आरडी तिवारी स्कूल, आमापारा के मैदान में सामूहिक दुष्कर्म किया गया। वंदना राजपूत ने कहा कि ₹राजधानी में ही महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं तो पूरे प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

कांग्रेस ने सरकार पर उठाए सवाल

कांग्रेस प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री पर कानून व्यवस्था संभालने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो सरकार नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे सकती, उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वंदना राजपूत ने आंकड़े देते हुए कहा कि पिछले ढाई साल में प्रदेश में दुष्कर्म के 8,191 मामले दर्ज हुए

हैं। औसतन रोजाना 8 से 9 महिलाएं या बच्चियां दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि रायपुर के अलावा बिलासपुर और कोरबा में भी महिला अपराधों की स्थिति गंभीर है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं और सरकारी आश्रम स्कूलों में नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि पीड़ित महिलाओं को थाने में शिकायत दर्ज कराने में किसी तरह की परेशानी न हो और पुलिस संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करे। पार्टी ने सरकार से महिला सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने और राजधानी की घटना में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है ।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विद्युत वितरण कंपनी ने की उपभोक्ता शिकायत निवारण कार्यशाला का आयोजन

टैरिफ-नियमन पर जानकारी, शिकायतों के जल्द निपटारे का आश्वासन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग एवं विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड अम्बिकापुर द्वारा एक दिवसीय ₹विद्युत उपभोक्ता जागरूकता एवं शिकायत निवारण कार्यशाला₹ का आयोजन गुरुवार को माखन विहार में किया गया।

टैरिफ निर्धारण से लेकर सौर ऊर्जा तक पर हुई चर्चा

कार्यशाला में रायपुर से पहुंचे नियामक आयोग के सदस्य (विधि) विवेक गनोदवाले, निदेशक (इंजीनियरिंग) कमलेश दिल्लीवार और विद्युत लोकपाल सुरेश कुमार सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने विद्युत टैरिफ के निर्धारण एवं नियमन, ऊर्जा संसाधनों से विद्युत उत्पादन, संचरण और वितरण की व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग एवं संरक्षण के साथ ही वर्तमान समय में सौर ऊर्जा की उपयोगिता और प्रोत्साहन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। नियामक आयोग के सदस्य विवेक गनोदवाले ने उपभोक्ताओं को उत्पादन लागत के आधार पर टैरिफ निर्धारण की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ की जनता को अन्य राज्यों की तुलना में सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। निदेशक कमलेश दिल्लीवार ने बताया कि बिजली व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने के लिए सरकार, आयोग और कंपनी मिलकर काम कर रही हैं। कई नए उपकेंद्रों का निर्माण, किसानों और सामान्य उपभोक्ताओं के लिए सस्ती व सब्सिडी युक्त बिजली उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर जारी है।

शिकायतों के त्वरित निदान पर जोर

विद्युत लोकपाल सुरेश कुमार सोनी ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निदान के लिए कंपनी और फोरम को विशेष दायित्व सौंपे गए हैं। निदान की समय-सीमा तय कर क्षतिपूर्ति भुगतान की व्यवस्था बनाकर उपभोक्ताओं को सम्मान दिया गया है। फोरम ने शिकायत निवारण की प्रक्रिया को सरल बनाया है ताकि उपभोक्ता संतुष्ट हो सकें। कार्यक्रम के आयोजक विद्युत

वितरण कंपनी अम्बिकापुर के मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार ने बताया कि अम्बिकापुर में फोरम की शाखा शुरू कर उपभोक्ता शिकायत निवारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इससे समस्याओं का उचित और त्वरित निदान संभव होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिल संबंधी शिकायतों का प्राथमिक स्तर पर ही समाधान किया जाए। फोरम की अम्बिकापुर शाखा के अध्यक्ष दिलीप कुमार सैनी ने बिल और अन्य विवादित विषयों के लिए आवेदन, जांच, निर्णय और क्षतिपूर्ति की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने कहा उपभोक्ता सीधे कार्यालय आकर अपनी समस्या रख सकते हैं। अधीक्षण अभियंता आर के चंद्राकर ने उपभोक्ताओं को बिल में लगने वाले विभिन्न चार्जेस को सरल भाषा में समझाया।

शहर में 6 नए उपकेंद्र प्रस्तावित

मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार और अतिरिक्त मुख्य अभियंता आवेदन कुजूर ने बताया कि अम्बिकापुर शहर की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ और निर्बाध बनाने के लिए 6 नए उपकेंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है। इन उपकेंद्रों के बनने से शहर में गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

उपभोक्ताओं से सीधी परिचर्चा

कार्यशाला में ₹उपभोक्ता समस्या, जानकारी एवं समाधान₹ विषय पर विशेष प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ। इसमें एल्डरमैन कतार्राम गुप्ता, उपभोक्ता फोरम के पूर्व सदस्य कौन्तेय जायसवाल, सीनियर सिटीजन फोरम अध्यक्ष आई बी तिवारी, समाजसेवी कैलाश मिश्रा, नरेंद्र सिंह टुटेजा, वीरेंद्र त्रिपाठी, बी डी सोनी, होली क्रॉस हॉस्पिटल की प्रशासक सिस्टर ममता सहित बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं।कार्यक्रम का संचालन तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र के यतीन्द्र गुप्ता ने किया। अंत में फोरम सदस्य कार्यपालन अभियंता श्रीमती मेरी लिली तिर्की ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आवेदन कुजूर, अधीक्षण अभियंता राजेश लकड़ा, एस पी कुमार, कार्यपालन अभियंता आर नागवंशी, आर पी मिश्रा, कामेंद्र सिंह सहित पूरी संभागीय टीम की भूमिका सराहनीय रही।

खेत से निकली सोच ने दिलाई राज्य स्तर पर पहचान, नवल का इंस्पायर अवार्ड मानक में चयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खेती-किसानी से जुड़े परिवार में पले-बढ़े कक्षा 11वीं के विद्यार्थी नवल साय ने अपनी कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच के बल पर एक नई मिसाल कायम की है। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के इस विद्यार्थी ने इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर के लिए चयनित होकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है ।नवल के पिता कैलाश सिंह कृषक हैं। खेती-किसानी से जुड़े परिवार में रहने के कारण नवल ने कृषि कार्य में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को करीब से देखा है। इन्हीं अनुभवों को वैज्ञानिक सोच से जोड़ते हुए उन्होंने मूंगफली फोड़ने वाली नवाचारी मशीन का मॉडल तैयार किया। इस मॉडल की विशेषता यह है कि इसमें कम समय में अधिक मात्रा में मूंगफली फोड़ने तथा मूंगफली के दाने और छिलके को अलग-अलग करने की अवधारणा प्रस्तुत की गई है। ग्रामीण परिवेश की वास्तविक आवश्यकता और कृषि कार्य को सरल बनाने की सोच पर आधारित इस नवाचार ने निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया ।विद्यालय के गाइड टीचर गोपाल सिंह ने बताया कि नवल का नवाचार इस बात का उदाहरण है कि यदि विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और उनके वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जाए, तो वे समाजोपयोगी नवाचार प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी ने कहा कि नवल की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उसकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी विज्ञान, नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी ।नवल का यह मॉडल इससे पहले राज्य स्तरीय पश्चिम भारत

विज्ञान मेला 2025-26, जशपुर में भी अपनी पहचान बना चुका है। वहीं जून 2026 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विश्रामपुर आगमन के अवसर पर जिले की कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने शिक्षा विभाग के स्टॉल पर मुख्यमंत्री को इस चलित मॉडल की विस्तृत जानकारी दी थी। इसके अतिरिक्त राज्योत्सव एवं गणतंत्र दिवस 2025-26 के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में भी नवल के इस नवाचार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। नवल की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी लता बेक, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू, इंस्पायर अवार्ड प्रभारी संतोष उपाध्याय तथा विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता सीमा दुबे सहित विद्यालय परिवार ने नवल को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा शहर एवं ग्रामीण मंडल की बैठक में आगामी कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा मंडल शहर एवं ग्रामीण मंडल की संयुक्त कामकाजी बैठक सोमवार को यहां जिला भाजपा कार्यालय अटल कुंज में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवाला, मंडल प्रभारी रितेश जायसवाल, सह-प्रभारी थलेश्वर साहू, जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गर्ग एवं किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अजय अग्रवाल ह्यअज्जूह्ल का कार्यकताओं को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारत माता एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र

पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में संत शिरोमणि रविदास महाराज की कलश वंदन यात्रा, तिरंगा यात्रा सहित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं जिम्मेदारियों पर विचार-विमर्श किया गया। मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय नारायण राजवाड़े ने आभार प्रदर्शन किया तथा मंडल महामंत्री नीरज जिंदिया ह्यबंटीह्ल ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम समाप्ति पश्चात संत शिरोमणि गुरु रविदास की कलश वंदन यात्रा निकाली गई। भाजपा कार्यालय अटलकुंज से रैली के रूप में यात्रा प्रारंभ होकर शहर की सीमा अंतर्गत ग्राम तिलसिंवा स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची, जहां संत रविदास के पवित्र कलश का विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात रैली के माध्यम से वार्ड क्र 10, जेलपारा स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर विधिवत आरती, पूजन एवं भजन-कीर्तन किया गया। मानपुर स्थित शिव मंदिर में दीप यज्ञ कर संत रविदास जी के पवित्र कलश को विधिवत स्थापित किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने संत रविदास के आदर्शों एवं उनके समतामूलक समाज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में डॉ. एच.एन. चतुर्वेदी, राजेश साहू, गिरवर राजवाड़े, प्रदीप सोनी ह्यबल्लू, शिवशंकर साहू ह्यपौधाह्ल, असरफ एराकी, बजरंग राजवाड़े, भूपेंद्र राजवाड़े, वीरेंद्र सोनवानी, शशिकिरण खेस, मनोज सोनी, नीरज गुप्ता, जीतेन्द्र शर्मा, ज्योति देवांगन, नितिन गुप्ता, नीरज साहू, तिलक राजवाड़े, अजय कुशवाहा, भोला रवि, जीतराम कुशवाहा, शेखर साहा, सत्यनारायण गुप्ता, शैलेन्द्र सोनी, राहुल यादव, अमित राजवाड़े, धनंजय राजवाड़े, कृष्णा झा, संतोष राजवाड़े सहित सूरजपुर शहर एवं ग्रामीण मंडल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

**आज डिजिटल क्रान्ति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है। अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं।

आज डिजिटल क्रान्ति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत भयानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए?

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का धरातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है।

अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कीमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतरात्मा की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निगमों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागजों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करे कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हो, ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफरत फैलाए, क्योंकि जितना अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जब एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पसंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूक्ष्म डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर चुनिंदा विज्ञापनों तथा प्रोपेगैंडा के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक न्यूज, बोट अकाउंट्स और लक्षित दुष्प्रचार अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नैरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुली छूट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेशी कंपनियों पर नकेल कसें

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अभिप्राय बिल्कुल नहीं कि हम सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति का स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल कसनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मंच यहां के संविधान, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरतें और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

बदल गए अभिव्यक्ति की आजादी के मायने

चुनौती

योगेश के सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरेक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाएं पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता का यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में ध्रुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आखिरकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी

व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तवज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया

मंथन

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज़ होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे जरूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओर्कुट, मिक्सिट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फ़ेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख ज़रिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आया, फिर 2010 में तस्वीरों पर आधारित ऐप इंस्टाग्राम और 2011 में स्नैपचैट बाज़ार में आ गए। आज सोशल मीडिया की पहुंच और स्तर असीमित हो गई है। बच्चे ऐसे लोगों और सामग्री के संपर्क में आने लगे हैं, जिनकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसलिए बच्चों के लिए सोशल मीडिया से ख़तरा बहुत बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में इंटरनेट की उपलब्धता को मानवाधिकार घोषित कर दिया था और दुनियाभर के लोगों तक इंटरनेट की सुविधा पहुंचाने को अपने विकास से जुड़े लक्ष्यों में शामिल किया था। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने यह भी कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई ख़तरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन है और 75 फीसदी से अधिक सोशल मीडिया इस्तेमाल करते हैं। हालांकि सरकार ने हाल के वर्षों में डिजिटल सुरक्षा और डेटा संरक्षण से जुड़े कई नियम लागू किए हैं, लेकिन फिलहाल 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर कोई राष्ट्रीय स्तर का प्रतिबंध नहीं है। अगर भविष्य में भारत ऐसा कोई कदम उठाने का फैसला करता है, तो सरकार के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी। भारत जैसे विशाल देश में बच्चों की सही उम्र का ऑनलाइन वेरिफिकेशन करना, यूजर्स की प्राइवेसी को सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजर्स पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।

यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गेमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

खबर संक्षेप

6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा का ऐलान

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के बीच मथुरा में साधु-संतों ने आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। संतों ने 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा करने का ऐलान किया है। एक नारा भी दिया है जो कि 'कृष्ण लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे'। मथुरा चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने अनुमति की मांग की है।

ममता के काफिले पर हमला

प्रदर्शनकारियों ने फेंके बड़े-बड़े पत्थर और बोतलें

ममता ने पुलिस पर लगाया आरोप

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के काफिले को उत्तर 24 परगना के हलीशहर में रविवार को प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने काफिले पर पत्थर बरसाए। ममत टीएमसी के दिवंगत कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने जा रही थीं। प्रदर्शनकारियों ने ममता की गाड़ी को घेर लिया और उस पर पानी की बोतलें तथा जूते भी फेंके। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पुलिस पर हिरासत में मौत का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। कथित हिंसा के बाद ममता ने कहा कि उनकी गाड़ी पर बहुत बड़े-बड़े पत्थर मारे गए। उन्होंने कहा कि लोग पुलिस के सामने ही आकर हमला कर रहे थे। हम बहुत किस्मत वाले थे। अगर गाड़ी की खिड़की खुली होती तो हमारे सिर फूट जाते और हम सबकी जान भी जा सकती थी। यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ है।

हम सब मारे जा सकते थेः ममता बेनर्जी

ममता ने हमले पर बात करते हुए कहा कि मेरे को बड़े-बड़े पत्थर मारे गए। बाहर से आए हुए कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर हमला किया। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर कार की खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने पहले ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है, विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए पुलिस, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर यही स्थिति रही तो देशभर में व्यापक जनाक्रोश देखने को मिलेगा।

कल्याण ने राज्य सरकार पर साधा निशाना

ममता के काफिले पर हुए हमले को लेकर टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सुवेंदु अधिकारी ने पुलिस विभाग का 12 बजा दिया है।

झारखंड में छात्रों का 16वें दिन भी विरोध-प्रदर्शन जारी

छात्रों ने 'खोखले वादे' करने का लगाया आरोप तीनों परीक्षाएं रद्द हों व सीबीआई जांच की जाए

जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में भूख हड़ताल पर बैठे छात्र

एजेंसी ⏭ रांची

झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों का विरोध प्रदर्शन रविवार को 16वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी छात्रों और राज्य सरकार के बीच बातचीत का दूसरा दौर भी समझौते तक पहुंचने में नाकाम रहा। जेपीएससी की 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितता के बाद से ही छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। कई छात्र नेता भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने सरकार पर खोखले वादे करने का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि सरकार बार-बार बातचीत तो करती है, लेकिन छात्रों की मांगों को न तो मानती है और न ही उन पर कोई कार्रवाई करती है। इस बीच छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि वे आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे और न ही अपनी मांगों से समझौता करेंगे। उनकी भूख हड़ताल और छात्रों का व्यापक विरोध-प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक कि उम्मीदवारों द्वारा उठाए गए मुद्दों का कोई ठोस समाधान नहीं निकल जाता। 3 परीक्षाओं को रद्द करने की बात भी सामने आ रही है। इस संबंध में भी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

अपनी मांगों से नहीं करेंगे कोई समझौता

परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर बवाल

मांगें सरकार माने, समय बर्बाद न करे

छात्र नेता चंदन ने सरकार और प्रशासन पर कहा कि पुलिस अधिकारी और प्रशासन रात में छात्रों को प्रदर्शन स्थल से हटाने की कोशिश कर रहे थे। छात्र अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे और न्याय की मांग करेंगे। सरकार हमारी मांगों को माने और बेकार में समय बर्बाद न करे।

आज विधानसभा का घेराव करेंगे छात्र

छात्र नेता महेंद्र प्रसाद मंडल ने कहा कि झारखंड में भ्रष्ट सिस्टम से हमें नौकरी नहीं मिल पाई। सरकार बार-बार प्रतिनिधिमंडल को बुला तो रही है, लेकिन हमारी मांगों पर खुलकर विचार नहीं कर रही है। हमारी मांगों पर बिचार नहीं कर रही है। 10 अगस्त को विधानसभा तक विरोध मार्च भी निकाला जाएगा।

जेपीएससी परीक्षा रद्द करने, ईडी जांच पर सहमति, घोषणा नहीं

छात्रों और सरकार के बीच चल रही बैठक खत्म हो गई है। वास्तव में क्या फैसला हुआ, इसको लेकर सरकार या छात्र पक्ष की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बैकलॉग परीक्षाओं की जांच कराने और परीक्षा प्रक्रिया में सुधार करने पर भी सहमति की बात आई है। परीक्षा से जुड़े पैसों के लेन-देन की जांच ईडी से कराने की बात भी बैठक में सामने आई है। टीडीपीएलए की ओर से अब तक संचालित परीक्षाओं की भी जांच किए जाने की जानकारी सामने आ रही है।

झारखंड में '5-पॉइंट फॉर्मूला का इस्तेमाल संभव

- **प्रशासनिक विभाजनः** झारखंड राज्य प्रशासनिक रूप से 5 प्रमंडलों (उत्तरी छोटानागपुर, दक्षिणी छोटानागपुर, संथाल परगना, पलामू और कोल्हान) में बंटा हुआ है।
- **जेएसी ग्रेस मार्क्स फॉर्मूलाः** झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जेएसी) द्वारा बोर्ड परीक्षाओं (जैसे 9वीं या 11वीं) में 1 विषय में फेल होने वाले छात्रों को पास करने के लिए 5 अंकों के ग्रेस मार्क्स देने का नियम।
- **झारखंड पुलिस शारीरिक परीक्षणः** झारखंड पुलिस भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा में 10 किमी की दौड़ (पुरुषों के लिए) और 5 सेमी सीने का माप/विस्तार जैसे मापदंड शामिल हैं।
- **राजनीतिक या आर्थिक योजनाः** राज्य की नीतियों, बजट या संविदा कर्मियों के नियमितीकरण से जुड़े 5 सूत्रीय संकल्प।

युवाओं को न्याय मिलेगा और जिम्मेदारों को कड़ी सजाः सोरेन

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि युवा अधिकारों के लिए विरोध और आंदोलन कर रहे हैं। हमारी सरकार की कार्रवाई की वजह से ही उनमें आगे आने, विरोध करने और अपना हक मांगने की हिम्मत आई है, क्योंकि हमने गड़बड़ियों को उजागर किया है। युवाओं को न्याय मिलेगा और अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

बाढ़ और बारिश ने देश के कई राज्यों में मचा दी तबाही

असम में अब तक 99 की मौत, 1.55 लाख लोग 'बेघर'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली / गुवाहाटी

बाढ़ और बारिश की चपेट में आने से असम में अब तक 99 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 1.55 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट, शिवसागर, और जोरहाट सहित 13 जिले बाढ़ की मार झेल रहे हैं। कई जगहों पर नदियां उफान पर हैं और सड़कें पानी में डूबी हुई हैं। राज्य में कई आवासीय इलाके जलमग्न हो गए हैं जिसके कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। प्रशासन और राहत एजेंसियां (एनडीआरएफ और एसडीआरएफ) युद्ध स्तर पर बचाव और राहत कार्य चला रही हैं और सुरक्षित स्थानों पर लोगों को पहुंचाया जा रहा है।

कई नदियां उफान पर और सड़कें बन गईं दरिया

पूर्वी असम के 4 जिले सबसे ज्यादा प्रभावित

पूर्वी असम के 4 जिले सबसे अधिक प्रभावितहैं, जहां अनेक गांव अब भी जलमग्न हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभियान जारी है। प्रशासन ने राहत शिविरों की संख्या बढ़ाई है तथा खाद्य सामग्री, पेयजल, दवाइयों और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास तेज किए हैं। राज्य सरकार ने क्षति का आकलन प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन ने बढ़ाई मुश्किलें

हिमाचल प्रदेश में लगातार मूसलधार वर्षा के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं। 153 सड़कें अवरुद्ध हो चुकी हैं, जिससे अनेक गांवों और कस्बों का संपर्क प्रभावित हुआ है। कई क्षेत्रों में विद्युत और पेयजल आपूर्ति भी बाधित हुई है।

केरल में कई सड़कें और घर पानी में डूबे

केरल में कई इलाकों में बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है। सैकड़ों लोग राहत शिविरों में हैं। अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों में बाढ़ का कहर जारी रहा, जिससे यातायात बाधित हुआ और लोगों को नावों से निकाला गया। बारिश के मद्देनजर, शनिवार को आठ जिलों के सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित की गई, और अधिकारियों को कमजोर निवासियों को राहत शिविरों में निकालने को कहा गया है।

राहुल का केंद्र पर हमला

दिल्ली में छात्रों पर बर्बरता पर सरकार को जवाब देना होगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में विरोध मार्च के दौरान छात्रों के साथ कथित पुलिस बर्बरता के लिए माफी मांगने के बजाय ने माफी बांट रहे हैं। राहुल ने एक्स पर कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और वह पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़े हैं। शाह के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला। आपको जवाब देना होगा।

पीएम मोदी चढ़ावा चोरी पर जवाब दें

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मांग की कि प्रधानमंत्री राम मंदिर से जुड़े दान के गबन और सामानों के गायब होने के आरोपों पर जवाब दें। यह मुद्दा सीधे तौर पर लाखों भक्तों की आस्था से जुड़ा है और प्रधानमंत्री को मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली के बारे में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

1 लाख से अधिक मराठी सीखने वाले ऑटो - टैक्सी ड्राइवरों को 17 अगस्त को मिलेगा प्रमाण पत्र

ठाणे : महाराष्ट्र में मराठी भाषा के प्रचार-प्रसार और सम्मान के लिए राज्य सरकार द्वारा 1 मई से शुरू किए गए हिंदुहृदयसम्राट बाळासाहेब ठाकरे मराठी सिखाने का अभियान का भव्य समापन समारोह 17 अगस्त 2026 को ठाणे के राम गणेश गडकरी रंगायतन में आयोजित किया जाएगा. यह जानकारी राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा आयोजित एक पत्रकार परिषद में दी गई. पत्रकार परिषद में प्रोफेसर प्रदीप ढवल, आरटीओ विभाग की हिमांगी पाटिल सहित मुंबई मराठी साहित्य संघ, राज्य मराठी विकास संस्था और कोकण मराठी साहित्य परिषद के पदाधिकारी उपस्थित थे. आगे उन्होंने बताया इस समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार तथा मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पत्रकार परिषद में बताया इस समारोह में व्यवहारिक मराठी प्रशिक्षण पूरा करने वाले हजारों गैर-मराठी व्यावसायिक वाहन चालकों को प्रमाणपत्र वितरित किए जाएंगे.

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बसंती देवी आ० गोकुल अम्बष्टनिवासी तकिया रोड थाना अम्बिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के बसंती देवी आ० गोकुल अम्बष्ट की दिनांक 22/06/2023 को स्थान तकिया रोड अ-पुर में हुई है आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निसार अहमद अंसारी आ. स्व. आसीम अंसारी, निवासी प्रेम चक्र उर्फ उमर गंज परगना, तहसील व जिला बलिया उ.प्र. के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1945/1 में से रकबा 10 डिसमिल भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीकृत विक्रयपत्र दिनांक 20.08. 1970 एवं वसीयतनामा दिनांक 17.07.2024 के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 14/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रमन कुमार अग्रवाल पिता जगदीश राय अग्रवाल, निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा मुख्तारनामा आम वास्ते- पवन कुमार अग्रवाल पिता स्व० जगदीश राय अग्रवाल, निवासी 151 ब्लाक जी न्यू अलीपुर कलकत्ता पश्चिम बंगाल के स्वामित्व की शीट नम्बर 09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/371 रकबा 4130 वर्गफीट भूमि को अनावेदक/केता यश नागदेव आ० महेश नागदेव, जाति सिंधी, निवासी महाराजा गली अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा छायाप्रति, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मनोज कुमार गोयल आ०/पति स्व० प्रेमचंद अग्रवाल जाति, निवासी मेन रोड़ लखनपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/50 रकबा 1800 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामचन्द्र अग्रवाल आ०/पति स्व० रामस्वरूप अग्रवाल जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 514, 515/1, 516, 520 रकबा 0.04, 0.01, 0.02, 0.12 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अभिषेक कुमार गोयल आ०/पति सुरेश कुमार गोयल जाति निवासी जवाहर मार्केट अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-अस्पताल रोड, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4173/1 रकबा 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती पारूल अग्रवाल आ०/पति हेमन्त अग्रवाल जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/288 रकबा 11550 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका रामचन्द्र अग्रवाल आ०/पति स्व० रामस्वरूप अग्रवाल जाति निवासी देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कौवाडांड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1408/3, 1408/13, 1409/3, 1409/5 रकबा 0.01, 0.00 1/2, 0.03 1/2, 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार बलरामपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) न्यायालय

-उद्धोषणा का प्रकाशनः:-

रा०प्र०क्र० / अ-21(5)/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता ग्राम जतरो को इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदिका उर्मिला दीक्षित पति विश्वामित्र दीक्षित निवासी ग्राम पिण्डरा, तहसील बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) के द्वारा ग्राम जतरो, प.ह. नं.-22. स्थित भूमि खसरा क्रमांक 307. 343/1 एवं 351 रकबा क्रमशः 0.510, 0.300 एवं 0. 130 हे0 है। यह प्रकरण में वादभूमि है। वादभूमि को आवेदिका अपने पति विश्वामित्र दीक्षित को दान पत्र के माध्यम हस्तांतरित करना चाहती है। उक्त वादभूमि व्यपवर्तित भूमि है जिस कारण कृषि भिन्न प्रयोजन हेतु कराये गए व्यपवर्तित भूमि को दान पत्र के माध्यम से हस्तांतरित करने की अनुमति हेतु श्रीमान कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है। जो जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति एवं संस्था को किसी भी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो इस न्यायालय में उपस्थित होकर दिनांक 18/08/2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय-सीमा गुजर जाने के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से आज दिनांक 05/08/2026 को जारी।

तहसीलदार
बलरामपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रमन कुमार अग्रवाल आ०/पति स्व० जगदीश राय अग्रवाल जाति, निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर वास्ते- पवन कुमार अग्रवाल आ० स्व० जगदीश राय अग्रवाल निवासी 158 ब्लॉक जी, न्यू अलीपोर कलकत्ता, पश्चिम बंगाल, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/371 रकबा 4130 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 19/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 04/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन

सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढेगा। परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधि युक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओड़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढ़ने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधक र दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले काटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। पहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है। शाम को युवा वर्ग, बच्चे गांव के गली में नारियल फेंक और गांव के खेल मैदान में कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलते हैं। बहु-बेटियां नए वस्त्र धारण कर सावन झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल का आनंद लेती हैं।

विधानसभा अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री साव ने राज्य जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूनार्मेंट का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने राजनांदगांव के दिग्विजय स्टेडियम में जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 25वीं छत्तीसगढ़ स्टेट जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूनार्मेंट का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता 9 अगस्त से 13 अगस्त 2026 तक आयोजित की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतियोगिता में

शामिल सभी खिलाडि ?ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनांदगांव में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने खिलाडि ?ों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, जूडो, कराटे और कुश्ती सहित विभिन्न खेलों में यहां के खिलाड़ी लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव को खेल नगरी के रूप में और अधिक विकसित करने के लिए खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। खिलाडि ?ों की आवश्यकता के अनुरूप मैदान, कोर्ट, प्रशिक्षण सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी खिलाडि ?ों और आयोजकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि राजनांदगांव संस्कारधानी के साथ-साथ अब खेलों की राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। ज्ञानेश्वरी यादव जैसे प्रतिभाशाली खिलाडि ?ों ने विश्व स्तर पर राजनांदगांव का नाम रोशन किया है और जिले में ऐसी अनेक खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाडि ?ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश जो खेलेगा, वही खिलेगा को आत्मसात करते हुए खिलाड़ी पूरी लगन और मेहनत के साथ खेलें, आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें।

सेवानिवृत्ति के दिन ही मिले सभी स्वत्व देयक और सम्मानजनक विदाई - मंत्री लक्ष्मी

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग में सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने विभागीय प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सेवानिवृत्ति प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि शासन

की लंबी सेवा देने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करें, यह विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रमुख सचिव, संचालक समाज कल्याण तथा संचालक महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया है कि विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रकरणों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति आदेश, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण और अन्य सभी देय स्वत्व देयकों का निराकरण सेवानिवृत्ति तिथि से पूर्व पूर्ण कर लिया जाए, ताकि संबंधित कर्मचारी को उसके सेवानिवृत्ति दिवस पर ही सभी आदेश और भुगतान उपलब्ध हो सकें।

राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुआ जनसैलाब, राजधानी रंगी तिरंगे के रंग में

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी पूरी तरह देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिकों ने हाथों में तिरंगा थामकर एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने किया नेतृत्व, 1 किमी लंबा तिरंगा रहा आकर्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं यात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाकर तिरंगा लहराया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और पूर्व सैनिकों का भारी उत्साह दिखा। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा थामा गया लगभग 1 किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बना।

'तिरंगा हमारी आन-बान-शान'

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है। उन्होंने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनआंदोलन बताते हुए प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि आजादी हमें सहज नहीं मिली। छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह और बस्तर के जननायक गुण्डाधुर की शौर्यगाथाओं का स्मरण करते हुए उन्होंने नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की

बात कही।

बदलते बस्तर में भी लहराएगा तिरंगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब हिंसा को पीछे छोड़कर शांति और विकास की ओर बढ़ रहा है। इस वर्ष बस्तर के गांवों और दूरस्थ अंचलों में भी स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह से मनाया जाएगा और तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी।

उपमुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधि भी हुए शामिल

यात्रा में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा सहित मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजेश अग्रवाल, लक्ष्मी रजवाड़े, ओ.पी. चौधरी, सांसद रूप कुमारी चौधरी, विधायकगण, महापौर मीनल चौबे और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि तिरंगा यात्रा स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इसे राष्ट्रभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति बताया।

पुष्पवर्षा और जयघोष से गूंजा रायपुर

यात्रा मार्ग में जगह-जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। भारत माता की जय, वंदे मातरम् और झंडा ऊंचा रहे हमारा के नारों से पूरा रायपुर गूंज उठा। चारों ओर तिरंगा ही तिरंगा दिखाई दे रहा था, मानो राजधानी ने तीन रंगों की चादर ओढ़ ली हो। कार्यक्रम ने एक बार फिर यह संदेश दिया - भारत एक है, भारत श्रेष्ठ है और राष्ट्र सर्वोपरि है।

नगरीय निकायों में महिला जनप्रतिनिधियों के रिश्तेदारों की 'परोक्ष एंट्री' पर पूरी रोक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार ने नगरीय निकायों में परोक्ष प्रतिनिधित्व को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के परिवार के सदस्य उनके नाम पर काम नहीं कर सकेंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने छत्तीसगढ़ नगरपालिक नियम, 2022 में संशोधन कर अधिसूचना जारी कर दी है। राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही यह नियम सभी नगरीय निकायों में लागू हो गया है। नए नियम के अनुसार -₹किसी भी नगरीय निकाय में, निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि के पति, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन अथवा किसी अन्य निकट पारिवारिक सदस्य या

नातेदार को उनके परोक्ष प्रतिनिधि अथवा समन्वयक व्यक्ति के रूप में नामनिर्दिष्ट अथवा नियुक्त नहीं किया जाएगा।

सरकार का मकसद

इस फैसले का उद्देश्य महिला जनप्रतिनिधियों को सशक्त बनाना और निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है। लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि कई महिला पार्षदों/अध्यक्षों की जगह उनके पति या परिजन ₹रिमोट कंट्रोलर₹ से काम करते हैं। नए नियम से अब महिला प्रतिनिधियों को ही सीधे अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये नियम सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत में लागु होगा। अब पति, बेटा-बेटी, भाई-बहन और अन्य निकट रिश्तेदार महिला का प्रतिनिधित्व नहीं कर पायेगा। राजपत्र में प्रकाशन की तिथि 6-8-2026 से तत्काल प्रभाव से लागू हो जायेगा। सरकार के इस कदम को महिला सशक्तिकरण और स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

राजनांदगांव में 43 करोड़ 61 लाख रूपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने राजनांदगांव शहर में 43 करोड़ 61 लाख 26 हजार रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 15 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत से प्रदेश के सबसे बड़े 2000 सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, विद्युतीकरण, पेयजल, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत 15वें वित्त आयोग अनटाइड ग्रांट से 12 करोड़ 9 लाख 44 हजार रूपए की लागत से विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली एवं विद्युतीकरण के कार्य किए जाएंगे। अधोसंरचना मद से 11 करोड़ 57 लाख रूपए की लागत से सड़क, नाली, मुक्तिधाम उन्नयन एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य होंगे। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत 1 करोड़ रूपए की लागत से 4 वार्डों में सड़क, नाली एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य तथा 15वें वित्त आयोग टाइड ग्रांट के पेयजल प्रबंधन घटक से 3 करोड़ 2 लाख 82 हजार रूपए की लागत से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन विस्तार कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर 1000 पौधों का वितरण किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव में बनने वाला 2000 सीटर ऑडिटोरियम शहर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पार्किंग, कॉरिडोर तथा लगभग एक हजार लोगों के एक साथ बैठकर भोजन करने की व्यवस्था भी होगी। यह ऑडिटोरियम राजनांदगांव सहित आसपास के नगरीय क्षेत्रों के लिए भी बड़े आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, प्रकाश व्यवस्था और पाइपलाइन विस्तार सहित 43 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राजनांदगांव के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली है। जनप्रतिनिधियों द्वारा रखी जा रही मांगों और प्रस्तावों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नगर निगम क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए

अतिरिक्त 10 एमएलडी जल शोधन संयंत्र की स्थापना की आवश्यकता बताई। उन्होंने गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम के पीछे में गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के विवाह एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए शेड एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा। उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि आज राजनांदगांव शहर के लिए ऐतिहासिक दिन है। शहर को 43 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पिछले दो वर्षों में राजनांदगांव नगर निगम को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 267 करोड़ रूपए की राशि विकास कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राजनांदगांववासियों से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक और नगर निगम मिलकर प्रयास करें तो राजनांदगांव स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान प्राप्त कर सकता है। उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने राजनांदगांव शहर के लिए कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांधी चौक, पोस्ट ऑफिस चौक, नंदई चौक सहित अन्य प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 3 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। उन्होंने रानी सागर एवं बूढ़ा सागर तालाब के पुनर्विकास के लिए 14 करोड़ रूपए की योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी। जीई रोड से लखोली कबाड़ी दुकान तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 6 करोड़ 85 लाख रूपए, आरके नगर चौक से डोंगरगांव रोड तक सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ 90 लाख रूपए तथा बायपास कन्हारपुरी से तिरंगा चौक तक सड़क चौड़ीकरण के लिए 5 करोड़ 50 लाख रूपए की स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने की बात कही। इसी प्रकार मोहारा जल संयंत्र के री-मरम्मत कार्य के लिए 4 करोड़ रूपए तथा ढाबा, गौरीनगर और गोकुलनगर में ओवरहेड टैंक निर्माण के लिए 12 करोड़ 61 लाख रूपए की स्वीकृति शीघ्र प्रदान किए जाने की जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि विकास के साथ स्वच्छता भी शहर की पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कचरा नालियों और सड़कों पर न डालें तथा नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से राजनांदगांव को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में पहला स्थान दिलाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने के साथ ही छत्तीसगढ़ के शहरों के समग्र विकास के लिए योजना बनाकर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

अर्द्धनारेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक करने देवगढ़ धाम रवाना हुए हजारों कांवरिये

0 हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हुआ शहर 0 मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार का आयोजन 0 छठ घाट से देवगढ़ धाम तक रही जल-पान की व्यवस्था

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पावन पुण्य सलीला रेणुका नदी के सूरजपुर छठ घाट स्थित तट से जल भरकर जमदाग्नि ऋषि की तपोभूमि व ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक तथा जन आस्था के केन्द्र अर्द्धनारेश्वर शिवलिंग का जलाभिषेक करने शिवरात्रि पर हजारों शिवभक्त कांवरियों का जत्था देवगढ़ धाम पहुंचा। नगर की अग्रणी सामाजिक एवं धार्मिक संस्था माँ कुदरगढ़ी सेवा परिवार के द्वारा कांवर पदयात्रा के दौरान देवगढ़ धाम में आयोजित विशाल जगराते में शिवभक्त भजनों की अमृतवर्षा के बीच सारी रात झूमते रहे। इस बार सूरजपुर छठ घाट से उठी कांवर यात्रा में 7 हजार से उपर शिवभक्तों ने जमदाग्नि ऋषि की तपोभूमि प्राचीन अर्द्धनारेश्वर शिवलिंग में पद यात्रा कर जलाभिषेक किया। उल्लेखनीय है कि सूरजपुर से देवगढ़ धाम के लिए कांवर यात्रा के आयोजन के साथ मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार के द्वारा विशाल व भव्य जागरण का आयोजन देवगढ़ धाम में किया था। इस दौरान शिवभक्त कांवरियों के लिए विभिन्न समितियो व समाज सेवियो के द्वारा कांवर स्टैण्ड, स्वल्पाहार व भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी। देवगढ़ में ग्यारहवें वर्ष आयोजित विशाल जागरण के आयोजन में कांवरियों के साथ सूरजपुर, बिश्रामपुर, अंबिकापुर, बिलासपुर, लखनपुर, उदयपुर, बैकुण्ठपुर, मनेन्द्रगढ़, डांड़गांव, केतका, मंहगई से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राचीन शिव धाम देवगढ़ पहुंचे थे। आयोजन की तैयारियों को लेकर सेवा परिवार के सदस्य विगत एक माह से सक्रिय थे।

कावर यात्रा के दौरान रास्ते भर नगर के समाज सेवियों व स्वयं सेवी संस्थाओं की गई व्यवस्थाओं की पूरे नगर सहित यात्रा में गये लोगो ने खुले कंठ से प्रशंसा की। इस दौरान छट घाट में अनूप अग्रवाल, अरुण गुप्ता, बसन्त मिश्रा, महामाया चौक में पन्नू साहू व फल विक्रेता संघ, जिला साहू समाज, डॉ विकास जायसवाल, लांची में लालचंद अग्रवाल, मां शारदा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति नमदगिरी रोड़, पासिंग नाला में नव युवा जागृति मंच, केतका रोड में सवारियां सेठ समिति, केतका में बैजनाथ अग्रवाल, राजापुर में जय बर्फानी सेवा समिति, महंगई में विजय कुमार विष्णु राम, श्री श्याम सेवा समिति, बड़पारा नलिन जिंदल व देवगढ़ धाम में राहुल अग्रवाल व टीम के साथ रात्रि में माँ कुदरगढ़ी सेवा परिवार एवं दूसरे दिन विनोद कुमार विकास कुमार अम्बिकापुर के साथ पानी की विशेष व्यवस्था रौनक जैन व अन्य विभिन्न समाज सेवियो व संस्थाओं के द्वारा व्यवस्थाएं निःशुल्क की गई।

आयोजन को सफल बनाने में पवन गर्ग, सुभाष गोयल, कालीचरण अग्रवाल, राजेश मित्तल, पवन अग्रवाल, चिंटू अग्रवाल, पंकज चौबे, गोलू जिंदिया, नवीन सिंघल, मुकेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, बंटी जिन्दीया, घनश्याम गोयल, विकास जैन, राजेश डालमिया, नलिन जिंदल, रूपेश मित्तल, प्रणव अग्रवाल सहित माँ कुदरगढ़ी सेवा समिति के सदस्य सक्रिय थे।

छात्र-छात्राओं को दी गई महिला सुरक्षा कानूनों, योजनाओं और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलाशपुर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता और वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जागरूकता सत्र में विशेषज्ञों द्वारा घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह के दुष्परिणाम तथा बाल विवाह निषेध कानून की विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन पर संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर सहित महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों के बीच सूचना पुस्तिकाएं और ब्रोशर भी वितरित किए गए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण हब से वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ फरजाना तथा जेंडर विशेषज्ञ श्रीमती पूनम राजवाड़े ने बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, वित्तीय जागरूकता और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती अमृता सिंह, युगल निकुंज, सुषमा खेश सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पर्व की गरिमा में सजे स्टेडियम में मंत्री लक्ष्मी करेंगी ध्वजारोहण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को यहां जिला मुख्यालय के अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनता के नाम संदेश का वाचन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा परेड की सलामी ली जाएगी।

समारोह प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें स्कूली बच्चों द्वारा देशभक्ति एवं संस्कृति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

सुघ्घर छत्तीसगढ़ सुशासन की ओर एक सकारात्मक पहल : पाटले

समय सीमा की बैठक में जिपं सीईओ ने दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले की अध्यक्षता में आयोजित समय सीमा की बैठक में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों तथा राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम्'' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हर घर तिरंगा कार्यक्रम के सफल संपादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में छत्तीसगढ़ के 23 जिलों में 31 प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभावित कराने के लिए शुरू कराये जा रहे अभियान ''सुघ्घर छत्तीसगढ़'' को लेकर भी चर्चा की गयी। योजना को लेकर जिला

पंचायत सीईओ श्री पाटले ने कहा कि ''सुघ्घर छत्तीसगढ़ जन केन्द्रित सुशासन की ओर एक सकारात्मक पहल है। जिसका उददेश्य छत्तीसगढ़ के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक विकास, सम्मान, सुरक्षा व समृद्धी के अवसरो की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों से ''निक्षय मित्र'' बनने की अपील करते हुए श्री पाटले ने कहा कि टीबी पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है और सही जांच व पूर्ण इलाज से इसे ठीक किया जा सकता है। शासन द्वारा जांच एवं दवा निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने के बावजूद शारीरिक कमजोरी, पौष्टिक आहार की कमी और सामाजिक सहारे के अभाव में कुछ मरीज स्वस्थ नहीं हो पाते, इसी समस्या के समाधान हेतु भारत सरकार ने यह योजना प्रारंभ की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक, चिकित्सक, छात्र, समाजसेवी सहित कोई भी संवेदनशील नागरिक व्यक्तिगत रूप से, तथा स्वयंसेवी संस्थाएं, एनजीओ, धार्मिक-सामाजिक संगठन एवं सामुदायिक समूह संस्थागत रूप से निक्षय मित्र बन सकते हैं। सीएसआर फंड के माध्यम से कंपनियां कॉर्पोरेट निक्षय मित्र के रूप में सहयोग कर सकती हैं। शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों से स्वेच्छा से आगे आकर इस महती कार्य में सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सहायता बड़ी होना आवश्यक नहीं है - प्रतिमाह मूंगफली, दाल, भुना चना, सरसों तेल और तिल जैसा थोड़ा पौष्टिक आहार तथा कुछ समय देना ही पर्याप्त है, क्योंकि उचित पोषण से दवा का प्रभाव बढ़ता है और मरीज को मानसिक संबल भी मिलता है। अपार आईडी की अद्यतन स्थिति पर चर्चा करते हुए सीईओ ने जिला शिक्षा अधिकारी को कैलेण्डर आधारित कार्ययोजना बनाकर युद्धस्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अपार आईडी विद्यार्थियों की डिजिटल शैक्षणिक पहचान है, जिसके माध्यम से शैक्षणिक रिकॉर्ड, प्रमाणपत्र एवं अन्य उपलब्धियां व्यवस्थित रूप से सुरक्षित रहेंगी। विद्यालय परिवर्तन, उच्च शिक्षा में प्रवेश अथवा दस्तावेजों के सत्यापन के समय यह उपयोगी सिद्ध होगी और विद्यार्थियों को बार-बार कागजी अभिलेख प्रस्तुत करने की परेशानी से भी राहत मिलेगी। इस दृष्टि से समस्त विद्यालयों में शेष विद्यार्थियों की अपार आईडी शीघ्र बनाने को कहा है। बैठक में पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति, आवेदनों की स्थिति एवं विद्युत व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा भी की गई। अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों से आवेदन भरवाने, उन्हें योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित करने तथा लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश देते हुए सीईओ ने समस्त नगरीय निकाय सीएमओ को योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया। बैठक में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका विजय कुमार गुप्ता आ० / पति नागेश्वर प्रसाद गुप्ता जाति निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-पाण्डेयपुरा, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4836 / 64 रकबा 0.03 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र० / 20(1) / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अभिषेक गुप्ता, अनिमेष गुप्ता आ० / पति विजय कुमार गुप्ता जाति, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 242 / 2 रकबा 436 वगफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25 / 08 / 2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 27 / 07 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

पश्चिम बंगाल से सूरजपुर तक गूंजी समर्पण की गाथा

बाबूलाल और संस्कार को मिला राष्ट्रीय संगठनात्मक सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राजनीति में सम्मान केवल पद या पहचान से नहीं मिलता, बल्कि वर्षों तक संगठन के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए मौन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से अर्जित होता है। जब किसी कार्यकर्ता की तपस्या को प्रदेश की सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिलती है, तो वह सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन जाती है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण सूरजपुर के लिए तब आया, जब भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल के शीर्ष नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल तथा भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला मंत्री संस्कार अग्रवाल को विशेष प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया।

कोलकाता स्थित भाजपा पश्चिम बंगाल प्रदेश कार्यालय से स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजे गए इस प्रशस्ति पत्र पर प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हस्ताक्षर अंकित हैं। पत्र में दोनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, जनसंपर्क अभियान और अंतिम पंक्ति तक संगठन की ऊर्जा पहुंचाने में बाबूलाल अग्रवाल एवं संस्कार अग्रवाल की भूमिका की मुक्तकंठ से सराहना की है। प्रशस्ति पत्र के अनुसार दोनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान लोकसभा क्षेत्र तथा बर्धमान जिले के अंतर्गत आने वाले गल्सी विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय तक प्रवास कर बूथ के अंतिम स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करने तथा भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी उनका अनुशासित, निस्वार्थ और परिणामोन्मुख कार्य संगठन के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि किसी भी राजनीतिक संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। बाबूलाल अग्रवाल और संस्कार अग्रवाल ने अपने सेवा-भाव, अनुशासन और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा से इस विश्वास को और मजबूत किया है। चुनावी अभियान के दौरान दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, मध्य क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व मंत्री एवं रायपुर विधायक वरिष्ठ नेता राजेश मुड़त व राहुल योगराज टिकरिया के मार्गदर्शन में संगठनात्मक योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारते हुए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया तथा मतदाताओं तक पार्टी की नीतियों और विकास के संकल्प को प्रभावशाली तरीके से पहुंचाया। भाजपा पश्चिम बंगाल नेतृत्व ने दोनों नेताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि वे भविष्य में भी राष्ट्रहित, समाजहित और संगठन हित को सर्वोपरि रखते हुए भारतीय जनता पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। साथ ही उनके अनुभव, सुझाव और संगठनात्मक दृष्टि को पार्टी की अमूल्य धरोहर बताते हुए भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की गई है। स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी दूसरे राज्य के प्रदेश नेतृत्व द्वारा छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं को इस प्रकार औपचारिक प्रशस्ति पत्र भेजा जाना केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि समर्पित कार्यकर्ता संस्कृति और संगठनात्मक मूल्यों का राष्ट्रीय स्तर पर किया गया सम्मान है। यह उन हजारों कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणा का संदेश है, जो बिना किसी व्यक्तिगत अपेक्षा के संगठन और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से लगातार कार्य करते हैं। इस सम्मान की जानकारी मिलते ही सूरजपुर सहित पूरे जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने इसे बाबूलाल अग्रवाल एवं संस्कार अग्रवाल के वर्षों के समर्पित संगठनात्मक जीवन का राष्ट्रीय सम्मान बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल दो व्यक्तियों की नहीं, बल्कि जिले और छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। यह सम्मान एक बार फिर साबित करता है कि संगठन के लिए किया गया निस्वार्थ परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि समय आने पर वही समर्पण सम्मान बनकर पूरे समाज के सामने मिसाल बन जाता है।

विश्वविद्यालय में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में अभाविप फूंका बिगुल

एनएच-343 जाम के बाद अब विधानसभा घेराव की चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में करोड़ों रुपये के कथित भ्रष्टाचार सहित वित्तीय मामलों में गंभीर आरोप लगाए, और वृहद आंदोलन करने की चेतावनी दी है। अभाविप के प्रदेश मंत्री अनन्त सोनी ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए विवि के विभिन्न मदों की राशि का अनावश्यक और कथित व्यक्तिगत उपयोग करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय के मद का व्यक्तिगत उपयोग अस्वीकार है। अनन्त ने कहा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के हितों, सुरक्षा की अनदेखी करके विभिन्न मदों की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। अभाविप ने बिल, वाउचर, बैंक विवरण और स्वीकृति आदेश की निष्पक्ष जांच कराने

के साथ ही इस राशि को वसूल करने की मांग की है। इस दौरान अभाविप के जिला संयोजक सत्येंद्र मिश्रा, विभाग संयोजक पलास पांडेय, नगर मंत्री सृष्टि शर्मा भी उपस्थित थे। अभाविप ने बीते दिनों एनएच-343 को 5 घंटे तक जाम करके तत्संबंध में विरोध दर्ज कराया था। इन्होंने वार्ता के दौरान कुलपति पर कई गंभीर आरोप लगाए, और कहा कि हमारी सरकार की गलती है, उन्होंने अयोग्य को कुलपति की दारोमदार सौंप दिया।

करोड़ों के खर्च को लिया सवालों के घेरे में

अनंत सोनी ने आरोप लगाया कि लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से कुलपति भवन बनवाने के बाद भी कुलपति किराए के भवन में रह रहे हैं। वहीं विश्वविद्यालय के मद से लगभग 50 लाख रुपये का फर्नीचर, एसी, पंखा सहित अन्य सामान खरीदकर निजी उपयोग में लाया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के यूटीडी भवन की जर्जर स्थिति को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया, और तत्काल तकनीकी इसका निरीक्षण करके मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

टेंडर घोटाला, 2.07 लाख के निजी उपयोग का आरोप

अभाविप ने असिस्टेंट रजिस्ट्रार सी. एल. टंडन की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि सफाई कार्य के लिए लगे ट्रैक्टर के 8 लाख रुपये के भुगतान में लगभग 2.07 लाख रुपये का व्यक्तिगत उपयोग हुआ है। इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की गई। साथ ही टेंडर प्रक्रिया में कुछ टेंडर में एल-1 के बजाय एल-2 को कार्यादेश दिया गया। इनके द्वारा एल-1 और एल-2 के टेंडरों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

शुल्क वृद्धि और भर्ती में पारदर्शिता

अभाविप ने छात्र कल्याण शुल्क, पीएचडी शुल्क में वृद्धि और सुरक्षा के नाम पर 9.62 लाख और सफाई पर 1.89 लाख खर्च बताकर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। भर्ती प्रक्रिया में नियमों का पालन और निष्पक्ष जांच की भी मांग उठाई। अभाविप ने कहा, जब तक जांच और कार्रवाई नहीं होती है, आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश मंत्री अनंत सोनी ने कहा सार्वजनिक धन और विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े मसलों पर अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन्होंने विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाने पर भी विचार करने की मांग की।

प्रशासन की अनदेखी से 12 वर्षों से सिर पर मंडरा रहा खतरा

बिजली तारों से सट रही पेड़ की डंगालें, पास ही स्कूली, राहगीरों-स्कूली बच्चों का होता है आवागमन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के कलेक्टर बंगला के पीछे प्रतापपुर रोड, कनकरानी दत्ता मार्ग पर शासकीय आवास परिसर में लगा बांस का पेड़ पिछले 12 वर्षों से किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। बांस की मोटी-मोटी डंगालें सीधे सड़क की ओर झुकी हुई हैं और ऊपर से गुजरे हाईटेंशन बिजली के तारों से महज कुछ फासले पर हैं, जिससे बरसात और तेज हवा के समय खतरे की संभावना बढ़ जाती है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर साल मानसून में इस मार्ग से गुजरना दहशत भरा हो जाता है। थोड़ी सी हवा चलने पर बांस की डंगालें बिजली के तारों से टकराती हैं और चिंगारियां निकलती हैं।

पिछले साल टला था बड़ा हादसा

सामाजिक कार्यकर्ता वंदना दत्ता सहित अन्य ने बताया कि पिछले वर्ष मानसून के दौरान बांस की एक भारी डंगाल बिजली के तार से टकरा गई थी। टकराव इतना तेज था कि बिजली का तार टूटकर सीधे सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि, उस समय कोई राहगीर उसकी चपेट में नहीं आया। घटना के बाद उन्होंने तत्कालीन जिलाध्यक्ष से मुलाकात करके पूरी समस्या बताई थी। इसके बाद आनन-फानन में विद्युत विभाग की टीम पहुंची, लेकिन सिर्फ विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त करने का काम हुआ। बांस के पेड़ को हटाने या उसकी छंटाई की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई।

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई छंटाई

वंदना दत्ता ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने विद्युत विभाग और नगर निगम को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी हैं। हर साल बरसात से पहले विद्युत विभाग शहर भर में पेड़ों की छंटाई का अभियान चलाता है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इस बांस के पेड़ को हर बार छोड़ दिया जाता है। नगर निगम कार्यालय में भी इसकी सूचना दी जा चुकी है, लेकिन फाइलें आगे नहीं बढ़ीं। इस मार्ग से दिनभर दुपहिया, चारपहिया और स्कूली वाहनों का आवागमन बना रहता है। इसके अलावा मार्ग में जरूरतमंद बच्चों के लिए स्कूल भी संचालित होता है। सुबह और छुट्टी के समय सैकड़ों बच्चे इसी रास्ते से गुजरते हैं।

हादसे का इंतजार किए बिना निकालें समाधान

वंदना दत्ता ने कहा कि, बड़ी दुर्घटना होने के बाद की जाने वाली कार्रवाई का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को समय रहते इस समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि बांस की खतरनाक डंगालों की तत्काल छंटाई करवाई जाए या फिर पूरे पेड़ को सुरक्षित तरीके से हटाने की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

संस्कार भारती ने पं. विवेक मिश्र को 'कला-गुरु सम्मान' से नवाजा

2000 बच्चों को शास्त्रीय गायन का प्रशिक्षण देकर परंपरा को जीवंत कर रहे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित संस्कार भारती सरगुजा इकाई ने शास्त्रीय संगीत के साधक पंडित विवेक मिश्र को 'कला-गुरु सम्मान' से सम्मानित किया। बच्चों को शास्त्रीय गायन का प्रशिक्षण देकर भारतीय संगीत परंपरा को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को सराहा गया। सम्मान समारोह 9 अगस्त को पंडित विवेक मिश्र के निवास, पंचदेव मंदिर के पीछे, नमना कला में स्वरांजलि संगीत महाविद्यालय में हुआ।

पंडित विवेक मिश्र पिछले 20 वर्षों से शास्त्रीय संगीत की साधना में लीन हैं। उन्होंने अब तक लगभग 2000 प्रशिक्षार्थियों को शास्त्रीय गायन का प्रशिक्षण देकर नई पीढ़ी को भारतीय संगीत परंपरा से जोड़ा है। इसी समर्पण के लिए संस्कार भारती ने उन्हें शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित

किया। इस अवसर पर संस्कार भारती जिला सरगुजा के अध्यक्ष रंजीत सारथी, कार्यकारी अध्यक्ष आनंद सिंह यादव, भूतपूर्व महामंत्री डॉ. अर्चना पाठक, महामंत्री डॉ. माधुरी जायसवाल, साहित्य प्रमुख आशा उमेश पांडेय, प्रचार प्रसार प्रमुख डॉ. पूनम दुबे 'वीणा', पुरातत्व प्रमुख पंकज गुप्ता, दृश्य विधा प्रमुख आनंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामजनम यादव सहित कई पदाधिकारी और स्वरांजलि महाविद्यालय के प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे।

गुरु-शिष्य परंपरा को रखा है जीवंत

वक्ताओं ने कहा कि, कला केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि संस्कार और संस्कृति की संवाहक है। गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत रखने का कार्य पंडित विवेक मिश्र कर रहे हैं। संस्कार भारती ने कहा कि संस्था सदैव कला, साहित्य, संगीत और लोक परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह में 'कला जहां साधना बन जाती है, वहीं गुरु-परंपरा संस्कृति बनकर पीढ़ियों तक जीवित रहती है' का संदेश दिया गया।

उत्सव ऐसा जो भविष्य के काम आए, आदित्येश्वर के जन्मदिन पर पौधारोपण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा रियासत के युवराज एवं एआईसीसी सदस्य आदितेश्वर शरण सिंह देव के जन्मदिवस पर पौधारोपण और समाजोपयोगी कार्य करने की अपील पर कांग्रेसजनों ने अंबिकापुर और आसपास के क्षेत्रों में हरियाली का संदेश दिया। प्रमुख कार्यक्रम महामाया पहाड़ क्षेत्र में हुआ। यहां पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में 3600 पौधों का वृहद रोपण किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने भी अभियान में सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा महामाया पहाड़ अंबिकापुर की प्राकृतिक पहचान है। यहां बड़े पैमाने पर पौधारोपण केवल जन्मदिन मनाने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी का संदेश है। कार्यक्रम में इस्लाम खान, बंटी शर्मा, प्रशांत सिंह चीकू, दुर्गेश गुप्ता, राशिद अहमद अंसारी, सतीश बारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे। इसी क्रम में बाबूपारा बाल उद्यान के पास रघुनाथ मंडल शहर कांग्रेस ने 101 पौधों का रोपण हुआ। पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। अगले 2-3 दिन में चरणबद्ध तरीके से लक्ष्य पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर हेमंत सिन्हा, इंद्रजीत सिंह धंजल, पूर्व पार्षद पूर्णिमा सिंह, पार्षद मेघा खांडेकर, चंद्रप्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन दिनेश कुमार शर्मा ने किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में राजीव भवन में भी पौधारोपण कर आदित्येश्वर बाबा के दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रमों में कांग्रेसजनों ने कहा कि जन्मदिन का उत्सव कुछ घंटों में समाप्त हो जाता है, लेकिन उस दिन लगाया गया पौधा वृक्ष बनकर वर्षों तक स्मृति जीवित रखता है। महामाया पहाड़, रघुनाथ मंडल और राजीव भवन के आयोजनों से आदि बाबा के जन्मदिन को व्यक्तिगत उत्सव के बजाय प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी से जोड़ा गया।

एनएच पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-लखनपुर मुख्य मार्ग से लगे लहपटरा हाईवे पर सोमवार की शाम लगभग 6.40 बजे दर्दनाक सड़क हादसे में बेलदगी निवासी रूप देव रजवाड़े की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रूप देव रजवाड़े अपनी बाइक क्रमांक सीजी 15 ईसी 7788 से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान लहपटरा हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रूप देव रजवाड़े ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच के साथ अज्ञात वाहन एवं उसके चालक के तलाश में जुट गई है।

जमीन में सो रहे युवक को करैत डसा, अस्पताल पहुंचते तक हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में बारिश के साथ ही जहरीले सांपों का प्रकोप भी बढ़ गया है। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कंदरई में करैत सांप के डसने से 36 वर्षीय युवक पूर नारायण बिंझिया की मौत हो गई। घटना बीती रात करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम कंदरई निवासी पूर नारायण बिंझिया पिता बुधनाथ 36 वर्ष, अपने परिवार के साथ घर में जमीन पर सो रहा था। देर रात नींद में ही उसे करैत सांप होंठ में काट लिया। स्वजन को जब इसकी जानकारी हुई तो वे आनन-फानन में युवक को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर आए, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी हालत बिगड़ गई। आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। युवक की मौत से स्वजन शोकाकुल हैं। बारिश के दिनों में सांप के काटने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में लोगों को जमीन पर बिस्तर या चटाई बिछाकर सोने से बचना चाहिए। सोते समय बिस्तर में मच्छरदानी का उपयोग जरूर करें, इससे मच्छर के साथ ऐसे जहरीले जंतुओं से बचा जा सकता है। सांप काटने पर तुरंत अस्पताल पहुंचें, ताकि जीवनरक्षा की पहल हो सके।

वस्त्रालय में घुसा करैत, रेस्क्यू करके जंगल में छोड़ा

लखनपुर। बारिश के मौसम में जहरीले सांपों का आतंक बढ़ गया है। लखनपुर प्रतीक्षा बस स्टैंड के समीप स्थित संजय वस्त्रालय में बीती रात करीब 9 बजे 5 फीट लंबा करैत सांप घुसने से दुकान में अफरा-तफरी मच गई। दुकान के अंदर सामान के बीच सांप छिप गया था। सूचना मिलते ही एक युवक ने काफी मशक्कत के बाद सांप को पकड़ कर एक प्लास्टिक के पारदर्शी डिब्बे में कैद कर लिया। इस दौरान दुकान में मौजूद लोग अपने मोबाइल से डिब्बे में बंद सांप का वीडियो बनाते दिखे। रेस्क्यू के बाद करैत सांप को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया गया। सांप के पकड़े जाने के बाद दुकानदार और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली।

सड़कों की मरम्मत में तेजी लाएं, नक्शा सर्वे समय पर पूरा करें: कलेक्टर

बैठक में निर्माण कार्य, सीएम हेल्पलाइन और 15 अगस्त के तैयारियों की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित सभी विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

कलेक्टर ने नक्शा प्रोजेक्ट के तहत नगरीय क्षेत्र में चल रहे सर्वे कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को सभी निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने और टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने कहा। मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कॉन्ट्रेक्टर से टाइम-लाइन

तैयार कर जानकारी मांगी। साथ ही अंबिकापुर शहर की खराब सड़कों का तत्काल मरम्मत करवाने एनएच अधिकारी को निर्देशित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनाने और सूची एसडीएम को सौंपने कहा। सभी एसडीएम को स्कूली बच्चों के जाति प्रमाणपत्र निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। डीएमओ को पीएडीएस दुकानों से 15 दिन में 50 प्रतिशत बारदाना जमा करवाने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने कहा। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा हो रही है, लापरवाही न हो। कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के गरिमामयी आयोजन के लिए ग्राउंड, परेड, मंच, पेयजल, चिकित्सा, सजावट और सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियां जल्द पूरी करने कहा। बैठक में जनदर्शन, जनचौपाल और पीजी पोर्टल की भी समीक्षा की गई।

डीएमएफ और ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास संस्थान और अन्य मदों से स्वीकृत निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की। जनपद पंचायतवार कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी स्वीकृत कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे हों। नए स्वीकृत विद्यालय भवनों को नवंबर तक पूर्ण करने कहा। पीएम आवास, जनमन योजना, आंगनबाड़ी भवन, हैंडपंप, शौचालय निर्माण की प्रगति देखी। जो कार्य शुरू नहीं हुए उन्हें तत्काल प्रारंभ कराने कहा।

विवि में स्नातक, पीजी, डिप्लोमा में रिक्त सीटों के लिए आवेदन 14 तक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षण विभागों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में प्रथम सेमेस्टर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अभी भी कुछ सीटें रिक्त हैं। रिक्त सीटों पर प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन कर सकते हैं। विवि ने निर्देशित किया है कि ऑनलाइन आवेदन करने वाले पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी प्रवेश मार्गदर्शिका के प्रावधानों के अनुसार संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। प्रवेशित विद्यार्थियों के यूजर आईडी को प्रवेश पोर्टल पर वेरीफाईड एंड एडमिटेड के रूप में सत्यापित कर लॉक करना अनिवार्य होगा।

विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर प्रवेशित विद्यार्थियों तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों की जानकारी भी प्रदर्शित की जाएगी, जिससे विद्यार्थी उपलब्ध सीटों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबद्ध महाविद्यालयों एवं शिक्षण विभागों से अपील की है, निर्धारित अंतिम तिथि 14 अगस्त तक पात्र विद्यार्थियों का प्रवेश पूर्ण करते हुए पोर्टल पर आवश्यक प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूरी करें, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश का अवसर मिल सके।

शक्तिकेंद्रों को वितरित किया तिरंगा, घर-घर फहराने का संकल्प

समलाया मंडल में कार्यक्रम को सफल बनाने कार्यकर्ताओं को दिया गया टास्क

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा जिला के निर्देशानुसार 'हर घर तिरंगा' एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को लेकर समलाया मंडल की महत्वपूर्ण बैठक भाजपा कार्यालय में हुई। बैठक का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर

किया गया। इस अवसर पर समलाया मंडल के प्रत्येक शक्तिकेंद्र को तिरंगा झंडों के बंडल वितरित किए गए। इन्हें बूथ कार्यकर्ताओं के सहयोग से घर-घर पहुंचाकर तिरंगा फहराया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। सभी कार्यकर्ता इसे अभियान के रूप में लेकर प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाएं। जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को मजबूत करना है। कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़कर तिरंगा यात्रा को व्यापक बनाएं। मंडल प्रभारी डॉ. अंबिकेश केशरी ने शक्तिकेंद्र और बूथ स्तर तक प्रभावी तैयारी के निर्देश दिए। मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने पार्षद, शक्तिकेंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अजय सोनी ने, सर्वेश तिवारी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अरुणा सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, रूपेश दुबे, अभिषेक शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोशनदान से घुसे चोर ने बाइक, मोबाइल और नकदी उड़ाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में किचन के रोशनदान से प्रवेश किए चोर ने मोटरसायकल, नकद रकम और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज करके विवेचना में लिया है। महामायापारा अंबिकापुर निवासी मोनिका विश्वकर्मा पति विनोद विश्वकर्मा ने कोतवाली पुलिस को बताया है कि, 22 जुलाई की रात को करीब 10 बजे वे सपरिवार खाना खाकर सो रहे थे। सुबह उठने पर पता चला कि उनके पति का मोबाइल फोन बिस्तर के पास से गायब है। घर में खोजबीन करने पर मोबाइल का पता नहीं चला। घर के हाल में रखा लेडिज पर्स फेंका हुआ था, और पर्स में रखा 3000 रुपये नहीं था। परछी में पल्सर मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीएच 1634 भी नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

गौरवपथ से स्कूटी वाहन पार-लिफ्ट लेकर बैठे अज्ञात व्यक्ति को छोड़ने गए युवक का स्कूटी वाहन किसी ने पार कर दिया। घटना नया बस स्टैण्ड गौरवपथ की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के श्रीगढ़ गौटियापारा निवासी सतनारायण राजवाड़े ने पुलिस को बताया है कि, वह अपने पिता रामधन के नाम पर पंजीकृत स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी 15 डीटी 3581 को लेकर 30 जुलाई को शाम करीब 7.30 बजे अपने काम से बिलासपुर चौक गया था। यहां से वापस घर आते समय गंगासागर तलाब के पास एक व्यक्ति उससे लिफ्ट मांगा तो वह उसे छोड़ने के लिए नया बस स्टैण्ड गया था, और गौरवपथ में ही स्कूटी को खड़ा किया था, जिसमें चाबी लगा था। इसी बीच मौका देखकर अज्ञात व्यक्ति स्कूटी को चोरी करके ले गया। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

आवास प्लस 2.0 में अपात्र एवं प्राथमिकता क्रम में परिवर्तन सूची जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 में जिले के ग्राम पंचायतों द्वारा आयोजित विशेष ग्राम सभा पश्चात अपात्र 5632 एवं 305 प्राथमिकता क्रम में परिवर्तन किये गये हितग्राहियों की जनपद पंचायतों से प्राप्त हुई। इस सूची में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो जिला पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत में 25 अगस्त तक दावा आपत्ति कार्यालयीन दिवस में समय प्रात: 10 से सायं 05 बजे तक लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। सूची का अवलोकन जिला पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल एवं जिले के वेबसाइट पर कर सकते हैं।

पीपीओ/एमआइआर नंबर को कर्मचारी कोड से लिंक कराने पत्र जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि आभार लागू होने के पूर्व के पेंशन प्रकरणों में पेंशनरों के पीपीओ/एमआइआर नंबर से कर्मचारी कोड लिंक नहीं है, जिससे कर्मचारी कोड के आधार पर सर्च करने पर पेंशनर का पूर्व का डाटा आभार पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं होता है। ऐसी स्थिति में डीडीओ कार्यालय द्वारा कई बार ऑनलाइन पुनरीक्षित पेंशन प्रकरण के स्थान पर त्रुटिवश रेगूलर प्रकरण तैयार कर दिया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर